लखनऊ

बुधवार, 3 सितम्बर, 2025

वर्ष : 11 | अंक : 54

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

खुश रहने का मतलब ये नहीं किसब कुछ ठीक है, इसका मतलब ये है कि आपने आपके दुखों से उपर उठकर, जीना सीख लिया है!

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

बरेली में छात्रा करने वाली थी आत्महत्या, मेटा की मदद से पुलिस ने बचाई जान?

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में रहने वाली 20 वर्षीय छात्रा सोमवार को खौफनाक कदम उठाने वाली थी, लेकिन मेटा और पुलिस की तत्परता से उसकी जान बच गई। दरअसल, छात्रा एक युवक से प्रेम करती है, जिसने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया था, जिसके बाद छात्रा आत्महत्या करने वाली थी। इस बीच मेटा को इसकी जानकारी हुई, उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने 16 मिनट में छात्रा को बचा लिया। मेटा ने इसे कैसे अंजाम दिया, आइए जानते हैं। सीबीगंज थाना क्षेत्र में रहने वाली छात्रा बीए तृतीय वर्ष में पढ़ती है। कुछ समय पहले उसकी इंस्टाग्राम में एक युवक से दोस्ती हुई थी, जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और दोनों बातचीत करने लगे। रविवार को युवक और छात्रा का किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया, जिसके बाद युवक ने छात्रा से बातचीत बंद कर दी और नंबर ब्लॉक कर दिया। बातचीत न होने से छात्रा परेशान हो गई और उसने घर में रखा सल्फास खा लिया। छात्रा ने गेहूं में डालने के लिए घर में रखी सल्फास की गोलियां खाई और इंस्टाग्राम पर पैकेट दिखाते हुए पोस्ट कर दिया। उसने दोपहर 12:45 बजे आत्महत्या का पोस्ट डाला, जिसे मेटा ने कैच किया और उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय को अलर्ट भेज दिया। मुख्यालय ने तत्परता दिखाई और छात्रा की लोकेशन खोजकर सीबीगंज पुलिस को छात्रा के घर भेजा। पुलिस घर पहुंची तो छात्रा उल्टी कर रही थी। पुलिस ने 16 मिनट में छात्रा अस्पताल पहुंचाकर उसे बचाया। उत्तर प्रदेश पुलिस ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर आत्महत्या से संबंधित पोस्ट पर अलर्ट जारी करने के लिए मेटा के साथ 2022 में एक प्रणाली स्थापित की थी। इसकी मदद से पुलिस जनवरी 2023 से अगस्त तक कुल 1,315 लोगों की जान बचा चुकी है।

मर खालिद-शरजील इमाम की नहीं होगी रिहाई, हाईकोर्ट ने दिया बड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से जुड़े 'बड़ी साजिश' मामले में आरोपी कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम समेत अन्य को ज़मानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शलिंदर कौर की पीठ ने शरजील इमाम, उमर खालिद, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी और गुलफिशा फातिमा की ज़मानत याचिकाओं पर फैसला सुनाया। अभियोजन पक्ष ने दलीलों का विरोध करते हुए कहा था कि यह स्वतःस्फूर्त दंगों का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसा मामला है जहाँ दंगों की पहले से ही योजना बनाई गई थी और इसके पीछे एक खतरनाक मकसद और सोची-समझी साजिश थी। खालिद, इमाम और अन्य पर फरवरी 2020 के दंगों के कथित ₹मास्टरमाइंड₹ होने के आरोप में गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इन दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज़्यादा घायल हुए थे। यह हिंसा सीएए और एनआरसी के विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की थी।

ये गालियां मेरी मां का नहीं, बल्कि हर मां-बेटी का अपमान है, भावुक होकर बोले पीएम मोदी

माई के स्थान देवता-पीतर से भी ऊपर होला

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बिहार राज्य जीविका निधि क्रेडिट कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि कांग्रेस के मंच से उनकी माँ को गालियाँ दी जाएँगी। मोदी ने कहा कि माँ हमारा संसार है। माँ हमारा स्वाभिमान है। इस संस्कार संपन्न बिहार में कुछ दिन पहले जो हुआ, उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। बिहार में RJD-कांग्रेस के मंच से मेरी माँ को गालियाँ दी गईं। ये गालियाँ सिर्फ़ मेरी माँ का अपमान नहीं हैं। ये देश की माताओं, बहनों और बेटियों का अपमान है।

मोदी ने साफ तौर पर कहा कि मैं जानता हूँ... आप सभी को, बिहार की हर माँ को, ये देखकर और सुनकर कितना बुरा लगा होगा! मुझे पता है, जितना दर्द मेरे दिल में है, उतना ही दर्द बिहार के लोगों को भी है। उन्होंने कहा कि मेरी माँ ने मुझे अपने से अलग कर दिया ताकि मैं आप जैसी करोड़ों माताओं की सेवा कर सकूँ। आप सब जानते हैं कि अब मेरी माँ जीवित नहीं हैं। कुछ समय पहले, 100 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद, वो हम सबको छोड़कर चली गईं। मेरी वो माँ, जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, जो अब नहीं रही, उसे राजद और कांग्रेस के मंच से गालियाँ दी गईं। बहनों और माताओं, मैं आपके चेहरे देख सकता हूँ; मैं उस दर्द की कल्पना कर सकता हूँ जो आपने महसूस किया होगा। मैं कुछ माताओं की आँखों में आँसू देख सकता हूँ। यह बहुत दुखद है, दर्दनाक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी माँ ने हम सबको बेहद गरीबी में पाला... वो अपने लिए कभी नई साड़ी नहीं खरीदती थीं और हमारे परिवार के लिए एक-एक पैसा बचाती थीं। मेरी माँ की तरह, मेरे देश की करोड़ों माताएँ हर दिन तपस्या करती हैं। उस मां के ही आशीर्वाद से मैं चल पड़ा था। इसलिए, मुझे आज इस बात की पीड़ा है कि जिस मां ने मुझे देशसेवा का आशीर्वाद देकर भेजा, खुद से अलग करके मुझे जाने की इजाजत दी। उन्होंने कहा कि मैंने हर दिन, हर क्षण अपने देश के लिए पूरी मेहनत से काम किया है। और इसमें मेरी मां की बहुत बड़ी भूमिका रही है। मुझे मां भारती की सेवा करनी थी... इसलिए मुझे जन्म देने वाली मेरी मां ने मुझे अपने दायित्वों से मुक्त कर दिया था।

> “ विपक्ष पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि कोई पिछड़ा, अति-पिछड़ा आगे बढ़ जाए, ये कांग्रेस को तो कभी बर्दाश्त नहीं हुआ है! इनको लगता है, नामदारों का तो अधिकार है कामदारों को गालियां देना... इसलिए ये गालियों की झड़ी लगा देते हैं। उन्होंने कहा कि मां को गाली देने वाली सोच, बहन को गाली देने वाली सोच, महिलाओं को कमजोर समझती है। ये मानसिकता महिलाओं को शोषण और अत्याचार की वस्तु मानती है। इसलिए, जब-जब महिला विरोधी मानसिकता को सत्ता मिली है, सबसे ज्यादा तकलीफें माताओं-बहनों-बेटियों को ही झेलनी पड़ी है। ”

उन्होंने कहा कि एक गरीब मां ऐसे ही तपकर अपने बच्चों को शिक्षा-दीक्षा देती है, ऊंचे संस्कार देती है। इसलिए मां का स्थान देवी-देवताओं से भी ऊपर माना जाता है। बिहार के ही संस्कार हैं और हर बिहारी के मुंह से तो ये बात यूंही निकलती है - माई के स्थान, देवता पीतर से भी ऊपर होला! मोदी ने कहा कि एक गरीब मां की तपस्या, उसके बेटे की पीड़ा ये शाही खानदानों में पैदा हुए युवराज नहीं समझ सकते। ये नामदार लोग तो सोने-चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं। देश और बिहार की सत्ता इन्हें अपने खानदान की विरासत लगती है। इन्हें लगता है कि कुर्सी इन्हें ही मिलनी चाहिए। लेकिन, आपने, देश की जनता जनार्दन ने एक गरीब मां के कामदार बेटे को आशीर्वाद देकर प्रधानसेवक बना दिया।

बिहार की महिलाओं को पीएम मोदी का तोहफा, बोले- 'सशक्त महिलाएं विकसित भारत का आधार'

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार चुनाव से पहले एक बार फिर बिहार की महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। दरअसल पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बिहार की जीविका दीदियों को बड़ा तोहफा दिया है। पीएम मोदी ने आज दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिहार राज्य जीविका निधि शाखा सहकारी संघ लिमिटेड का शुभारंभ किया। इस दौरान पीएम मोदी ने इस संस्था के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपये की राशि भी ट्रांसफर की। इस दौरान इस कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार भी शामिल हुए।

यह नई सहकारी संस्था बिहार के ग्रामीण आजीविका कार्यक्रम जीविका से जुड़ी महिलाओं को सस्ती और सुलभ वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए बनाई गई है। सभी पंजीकृत क्लस्टर-स्तरीय फेडरेशन (CLFs) इस संस्था के सदस्य होंगे। इसका संचालन पूरी तरह डिजिटल होगा, जिससे लेन-देन में पारदर्शिता और तेजी सुनिश्चित होगी। इस पहल को केंद्र और बिहार सरकार द्वारा संयुक्त रूप से वित्तपोषित किया जा रहा है।

पीएम मोदी का संबोधन

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, “हमारी सरकार बिहार की माताओं, बहनों और बेटियों को हर संभव अवसर देने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही। जीविका निधि सहकारी संघ बिहार की ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।” उन्होंने कहा कि यह पहल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देगी और सामुदायिक नेतृत्व वाली उद्यमिता को प्रोत्साहित करेगी। पीएम ने बिहार की जीविका दीदियों की मेहनत की सराहना की, जो छोटे व्यवसाय और उत्पादन इकाइयों के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रही हैं। वहीं इस दौरान पीएम मोदी जीवन में मां की महत्वपूर्ण भूमिका को लेकर भी अपनी भावनाओं को शेयर किया। इस सहकारी संस्था को डिजिटल रूप से संचालित करने के लिए करीब 12,000 सामुदायिक कैडर को टैबलेट प्रदान किए जा रहे हैं। ये कैडर जीविका दीदियों को वित्तीय सेवाओं तक पहुंचने और उनका उपयोग करने में सहायता करेंगे। यह कदम ग्रामीण महिलाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने और वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में महत्वपूर्ण है।

नीतीश कुमार ने जताया आभार

सीएम नीतीश कुमार ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि बिहार की जीविका दीदियों ने आज एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा, “आज जीविका से जुड़ी महिलाएं न केवल परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि समाज में भी बदलाव की बयार ला रही हैं।

नीतीश कैबिनेट का ऐतिहासिक फैसला : महिलाओं-युवाओं संग कर्मचारियों को भी मिली बंपर राहत

पटना, एजेंसी। राज्य मंत्रिमंडल ने “मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना” के तहत जीविका से जुड़ी महिलाओं को दस-दस हजार रुपये की राशि उनके बैंक खातों में उपलब्ध कराने के लिए ग्रामीण विकास विभाग की मांग पर 20 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर राज्य मंत्रिमंडल ने अपनी मुहर लगा दी है। साथ ही, राज्य में सात नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के प्रस्ताव को भी मंत्रिमंडल ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। इतना ही नहीं, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कुल 3233 नए पदों के सृजन को भी मंत्रिमंडल की हरी झंडी मिल गई है।

मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 48 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई है। मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा विगत स्वंत्रता दिवस के मौके की गई घोषणा के अनुसार राज्य में सात नए मडिकल कॉलेजों की स्थापना की स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की बात कही थी। ये सात नए मेडिकल कॉलेज बिहार के किशनगंज, कटिहार, रोहतास, शिवहर, लखीसराय, अरवल और शेखपुरा जिलों में स्थापित किये जाएंगे। इतना ही नहीं, राज्य मंत्रिमंडल ने विभिन्न खेलों से जुड़े श्रेष्ठ खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय व राज्यस्तर पर उनके प्रदर्शन और उपलब्धियों के आधार पर वेतनमान और पदों पर नियुक्ति के प्रस्ताव पर अपनी मुहर लगा दी है। इसके अलावा सरकार ने युवाओं, महिलाओं, वृद्धों के साथ-साथ राज्य के सरकारी कर्मचारियों के हित में कई अन्य फैसले लिए हैं।

कुल 3233 नए पदों का सृजन

श्री चौधरी ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने विभिन्न विभागों में कुल 3233 नए पदों के सृजन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के अंतर्गत नवस्वीकृत 40 आवासीय विद्यालयों में जमा-दो तक के नए शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कुल 1800 पदों के सृजन को अपनी मंजूरी दी गई है।

बिहार में गठित होगा मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो

बिहार में मादक पदार्थों, स्वापक औषधियों, मनःप्रभावी पदार्थों और शराब से संबंधित अवैध गतिविधियों और कारोबार के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की तर्ज पर “मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो” के गठन के प्रस्ताव को भी मंत्रिमंडल ने अपनी मंजूरी दे दी है। इस ब्यूरो के संचालन के लिए विभिन्न कोटि के कुल 88 पदों के सृजन की मंजूरी दी गई है।

उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत कई राज्यों में भारी बारिश के आसार, गुरूग्राम में रेड अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने संभावना जताई है कि मंगलवार को उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत कई राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी, पीलीभीत और शाहजहांपुर में बहुत भारी बारिश की संभावना को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब में पठानकोट, गुरदासपुर, कपूरथला, जालंधर, मोगा और बरनाला में भी बहुत भारी बारिश हो सकती है। इन इलाकों में भी रेड अलर्ट जारी किया गया है।

आईएमडी के मुताबिक, हरियाणा के फतेहाबाद, जींद, हिसार, गुरूग्राम, रेवाड़ी और मेवात में बहुत भारी बारिश के आसार बने हुए हैं, जिसको लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। गुरूग्राम में स्कूल और निजी कार्यालयों को बंद करने के आदेश दिए गए हैं और घर से ही ऑनलाइन कक्षाएं चलाने और कामकाज करने के आदेश जारी हुए हैं। गुरूग्राम में कई इलाके पानी में जलमग्न हो गए। सोमवार को बारिश के दौरान लंबे ट्रैफिक जाम से लोग पस्त हो गए।

आईएमडी ने हिमाचल प्रदेश के चंबा, लाहौल और स्पीति, कांगड़ा और कुल्लू में भारी बारिश के आसार को देखते हुए रेड अलर्ट किया है। यहां स्कूल और कॉलेज बंद किए गए हैं। इसके अलावा राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लेह और छत्तीसगढ़ में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी है। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि रेड अलर्ट वाले क्षेत्रों में 15 मिमी से अधिक बारिश हो सकती है। दिल्ली में भी यमुना नदी उफान पर है।

राहुल गांधी और तेजस्वी बिहार का भविष्य नहीं सुधार सकते, किरेन रिजिजू ने कहा, दोनों 'सोने का चम्मच' लेकर पैदा हुए हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बिहार में तेजस्वी यादव और राहुल गांधी के ‘वोटर अधिकार यात्रा’ पर तंज कसते हुए कहा कि दोनों “सोने का चम्मच” लेकर पैदा हुए हैं और विरासत की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा, “लालू यादव ने मेहनत से राजनीति में नाम कमाया, लेकिन तेजस्वी उसका लाभ उठा रहे हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी बिहार का भविष्य नहीं सुधार सकते।”

उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की ‘वोटर अधिकार यात्रा’ में ज्यादातर मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हो रहे हैं, जो समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश है। रिजिजू ने कहा, “मैं अपने मुस्लिम भाइयों-बहनों से अपील करता हूं कि वे कांग्रेस के इस जाल में न फंसें। कांग्रेस ने मुसलमानों को गरीब बनाए रखा और उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया।”

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सभी समुदायों के लिए बिना भेदभाव के काम कर रही है। गरीबी का कोई धर्म नहीं होता। हमारी सरकार सभी गरीबों को समान रूप से समर्थन दे रही है। अगर मुस्लिम समुदाय में गरीबी है, तो यह कांग्रेस की नीतियों का नतीजा है। उन्होंने राहुल गांधी के बयानों को “गुमराह करने और भड़काने” वाला करार देते हुए कहा कि यह समाज में विभाजन पैदा करता है। राहुल गांधी द्वारा ‘वोटर अधिकार यात्रा’ के दौरान पीएम मोदी के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल पर रिजिजू ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, “राहुल गांधी सुबह उठते ही पीएम मोदी को गाली देना शुरू कर देते हैं। यह भारतीय संस्कृति के खिलाफ है। हमारी संस्कृति में सम्मानित व्यक्तियों के प्रति ऐसी भाषा अस्वीकार्य है। जनता इसका जवाब देगी।” कांग्रेस के इस दावे पर कि देश की संपत्ति पर मुसलमानों का पहला हक है, किरेन रिजिजू ने कहा, “यह गलत है। संपत्ति पर पहला हक गरीबों का होना चाहिए, चाहे वे किसी भी धर्म के हों।” उन्होंने मोदी सरकार के “सबका साथ, सबका विकास” के मंत्र को दोहराते हुए कहा कि यह सभी समुदायों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करता है। रिजिजू ने मुस्लिम समुदाय से अपील की कि वे कांग्रेस की “विभाजनकारी” राजनीति से सावधान रहें और देश के विकास में भागीदार बनें।

खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना नदी, सीएम रेखा गुप्ता ने लोगों से बातचीत कर बाढ़ की स्थिति का लिया जायजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता लोहा पुल पहुंचीं, जहां कल से लगातार हो रही बारिश के कारण यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, और उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की। रेखा गुप्ता ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा गया पानी शाम तक दिल्ली पहुँचने की उम्मीद है। इसके बावजूद, यहाँ से पानी का बहाव सही जगह पर है। यहाँ के निवासियों के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ कर दी गई हैं। आगे और भी बेहतर व्यवस्थाएँ की जाएँगी। मैंने यहाँ के लोगों से मुलाकात की और उनके रहने-खाने की व्यवस्था देखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना के मैदान में ही पानी का बहाव है...लोगों के लिए सभी व्यवस्थाएँ की जा रही है। हम किसी भी तरह की कठिनाई नहीं होने देंगे। मैंने आस-पास के राज्यों - जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और हरियाणा - से बात की है। हम उन्हें हर संभव मदद देंगे, जो भी आवश्यक होगा। हम सब मिलकर इस संकट का सामना करेंगे। दिल्ली में लगातार बारिश के बाद, यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण शहर के कई इलाकों के निवासी सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं।

शहर में भारी बारिश के बीच, यमुना बाज़ार के लोग जांघों तक पानी में चलते हुए अपने इलाकों से निकल रहे हैं। राजधानी के एक अन्य हिस्से में, सिविल लाइंस के मोनेस्ट्री मार्केट के दुकानदारों ने बाढ़ की आशंका को देखते हुए एहतियात के तौर पर अपना सामान हटाने का फैसला किया है। सिविल लाइंस के मोनेस्ट्री मार्केट के एक दुकानदार दीपक रस्तोगी का कहना है कि निचले इलाकों की सभी दुकानों ने अपना सामान हटाना शुरू कर दिया है। रस्तोगी ने एएनआई को बताया कि मेरी यहाँ तीन दुकानें हैं। यहाँ 100 प्रतिशत पानी घुसेगा। प्रशासन ने हमें अपना ध्यान रखने, सतर्क रहने और सुरक्षित रहने की सलाह दी है। निचले इलाकों की सभी दुकानें अपना सामान हटा रही हैं। हमें बताया गया है कि यहाँ 2-3 दिनों तक पानी भरा रहेगा। दिल्ली के अधिकारियों ने मंगलवार को बुराड़ी में खेतों में फंसे किसानों को बचाने के लिए बचाव अभियान शुरू किया था। सुबह 10:30 बजे, मजनू का टीला में भारी बारिश के बाद यमुना का जलस्तर बढ़ गया। इसके अलावा, लोहा पुल पर, शहर के अधिकारियों ने शाम 5 बजे से यातायात और आम जनता को रोकने का आदेश दिया है, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भारी बारिश के कारण नदी अपने खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गई है। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में, विशेष रूप से गुरुग्राम में, कल दोपहर 3:00 बजे से शाम 7:00 बजे के बीच 100 मिमी से अधिक बारिश होने के बाद, मौसम विभाग ने भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना का हवाला देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

शिक्षकों पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश, पद पर बने रहना है या प्रमोशन चाहिए तो देनी होगी टीईटी परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि नियुक्ति चाहने वाले शिक्षकों और पदोन्नति चाहने वाले सेवारत शिक्षकों, दोनों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पास करना अनिवार्य होगा। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह आदेश अल्पसंख्यक दर्जे वाले शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं होगा। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने स्पष्ट किया कि जिन शिक्षकों की सेवानिवृत्ति से पहले पाँच साल से कम सेवा शेष है, उन्हें अपने पद पर बने रहने के लिए यह परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता नहीं होगी। हालाँकि, अगर वे पदोन्नति चाहते हैं तो उन्हें टीईटी उत्तीर्ण करना होगा। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009) लागू होने से पहले नियुक्त हुए और जिनकी सेवा अवधि पाँच साल से ज़्यादा बची है, उन्हें दो साल के भीतर टीईटी पास करना होगा। अदालत ने कहा कि अगर वे ऐसा नहीं कर पाते हैं, तो उन्हें अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। ऐसे शिक्षकों को केवल स्थायी लाभ ही मिलेंगे। अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त शिक्षण संस्थानों को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह आदेश फिलहाल उन पर लागू नहीं होगा। अदालत ने कहा कि आरटीई अधिनियम अल्पसंख्यक स्कूलों पर लागू होता है या नहीं, यह एक कानूनी प्रश्न है जो सुप्रीम कोर्ट की बड़ी पीठ के पास लंबित है।

एलएलबी छात्रों पर लाठी चार्ज: पूरे जिले में अलर्ट घोषित, कमिश्नर-आईजी करेंगे जांच, अखिलेश बोले- सरकार की नाकामी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में रामस्वरूप यूनिवर्सिटी में बिना मान्यता पढ़ाई कराने का विरोध कर रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं और छात्राओं पर पुलिस ने बेरहमी से लाठियां भांजी। अब यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है। विद्यार्थी परिषद के साथ भाजपा नेता और कार्यकर्ता भी पुलिस की बर्बरता के विरोध में उतर आए हैं। मामले का संज्ञान लेते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कड़ी नाराजगी जताई है। सीएम की सख्ती के बाद सीओ सिटी हर्षित चौहान, कोतवाल आरके राणा और चौकी इंचार्ज को हटा दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने यूनिवर्सिटी की मान्यता की जांच की जिम्मेदारी अयोध्या मंडलायुक्त को सौंपी है। जबकि, छात्रों पर हुए लाठी चार्ज की जांच आईजी प्रवीण कुमार करेंगे। घटना के बाद पूरे जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया है। शहर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। रामस्वरूप यूनिवर्सिटी परिसर में सुबह से ही एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और भारी पुलिस बल तैनात है। फिलहाल वहां पर सन्नाटा पसरा हुआ है। छात्रों का आरोप है कि रामस्वरूप यूनिवर्सिटी में बार काउंसिल ऑफ इंडिया की मान्यता के बिना लॉ डिपार्टमेंट संचालित किया जा रहा है। छात्रों का यह भी कहना है कि मामूली फीस बकाया (100 रुपये तक) पर भी उनसे पांच हजार रुपये तक का जुर्माना वसूला जाता है।

अखिलेश यादव बोले- सरकार की नाकामी

पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पुलिस द्वारा छात्र को पीटने का वीडियो एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि यह लाठी चार्ज सरकार की नाकामी और हताशा का प्रतीक है।

पूरा घटनाक्रम एक नजर में...

29 अगस्त

छात्रों ने बिना मान्यता पढ़ाई को लेकर कॉलेज परिसर में हंगामा किया। आंदोलन की चेतावनी दी। मौके पर कोतवाल तक नहीं पहुंचे।

1 सितंबर, सुबह

छात्राओं ने फीस वापसी या मान्यता को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने दो छात्रों को निलंबित कर दिया।

1 सितंबर, दोपहर

निलंबन से आक्रोशित छात्र और विद्यार्थी परिषद के प्रांत संगठन मंत्री पुष्पेंद्र सहित कई पदाधिकारी यूनिवर्सिटी पहुंचे। आरोप है कि कॉलेज प्रशासन ने निजी लोगों से छात्रों पर हमला कराया। इससे स्थिति बेकाबू हो गई।

1 सितंबर, करीब 3 बजे

सीओ सिटी मौके पर पहुंचे और वार्ता की। लेकिन, समाधान नहीं निकल सका। इस बीच आक्रोश बढ़ा तो पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज कर दिया।

1 सितंबर, शाम

कई छात्रों को पुलिस चौकी ले जाया गया। गुस्साए छात्रों ने चौकी पहुंचकर तोड़फोड़ की। इसके बाद पुलिस ने छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

1 सितंबर, देर शाम

लाठी चार्ज में प्रांत संगठन मंत्री पुष्पेंद्र समेत 20 से अधिक कार्यकर्ता घायल हुए। सभी को एंबुलेंस से मेयो मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। रात करीब 9 बजे घायलों को जिला अस्पताल शिफ्ट किया गया। वहां राज्यमंत्री सतीश शर्मा, पूर्व सांसद उपेंद्र रावत और अन्य नेता पहुंच गए।

2 सितंबर, सुबह

मुख्यमंत्री ने मामले का संज्ञान लिया। सीओ सिटी, कोतवाल और चौकी इंचार्ज को हटा दिया गया। कमिश्नर अयोध्या को मान्यता की और आईजी प्रवीण कुमार को लाठी चार्ज की जांच सौंपी गई।

नई तकनीक से गन्ना किसानों को होगी पानी की बचत

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। किसान सहकारी चीनी मिल ने गन्ना की खेती में आधुनिक तकनीक को अपनाया है। मिल ने यूपी माइक्रो इरीगेशन पोर्टल पर पंजीकृत गुजरात की टू वैल्यू इरीगेशन कंपनी के माध्यम से 3 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप इरीगेशन सिस्टम स्थापित किया है। कंपनी ने गन्ने के खेत में उच्च तकनीकी उपकरणों का प्रयोग किया है। इनमें सैंड फिल्टर, डिस्क फिल्टर, प्रेशर गेज, एयर रिलीज वाल्व और हाइड्रोसाइक्लोन शामिल हैं। कंपनी के स्टेट हेड सुरेश कुमार यादव और जिला प्रतिनिधि मनीष कुमार पाठक ने बताया कि इस सिस्टम से गन्ने की उपज बढ़ेगी और पानी की बचत होगी। सिस्टम की स्थापना के बाद थर्ड पार्टी के साथ जिला उद्यान अधिकारी रणविजय सिंह और वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक पवन कुमार सिंह ने मौके का निरीक्षण किया। जिला उद्यान अधिकारी ने आशा जताई कि इस पहल से प्रेरित होकर जिले के अन्य गन्ना किसान भी अपने खेतों में ड्रिप इरीगेशन सिस्टम लगाएंगे।

हंगामा, तोड़फोड़ और लाठीचार्ज... पुलिस ने एबीवीपी कार्यकर्ताओं और एलएलबी छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी के गदिया के श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में बिना मान्यता के चल रहे पाठ्यक्रमों को लेकर छात्रों का आक्रोश सोमवार को भड़क उठा। आक्रोशित छात्रों ने एबीवीपी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जमकर हंगामा काटा। सुबह से ही शुरू हुए धरना प्रदर्शन व हंगामे के कारण परिसर में दिनभर अराजकता रही।

दोपहर में छात्रों ने कॉलेज का गेट बंद किया तो संस्थान प्रबंधन के लोगों के साथ उनकी भिड़ंत हो गई। पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने के विरोध में देर रात एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने डीएम आवास पर धरना प्रदर्शन भी किया।

करीब 24 लोग जख्मी हुए

इस दौरान मौजूद पुलिस ने हालात बेकाबू होते देख छात्रों को लाठी फटकार कर खदेड़ना शुरू कर दिया। इससे नाराज कुछ छात्रों ने गदिया पुलिस चौकी पर पथराव कर शीशे इत्यादि तोड़ दिए, तो पुलिस ने छात्रों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटना शुरू कर दिया। इसकी चपेट में आकर करीब 24 लोग जख्मी हो गए। इनमें से आठ को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छात्रों का आरोप है कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता न होने के बाद भी यहां एलएलबी, बीबीए एलएलबी व बीए एलएलबी में अवैध तरीके से प्रवेश लेकर कक्षाओं का संचालन हो रहा है। बीते कई दिनों से इस मामले पर यहां के छात्र आंदोलित हैं।

नारेबाजी से हालात तनावपूर्ण

सोमवार सुबह छात्र यूनिवर्सिटी परिसर पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान लखनऊ व आसपास के जिले के कुछ एबीवीपी कार्यकर्ता भी समर्थन में पहुंच गए। नारेबाजी से हालात तनावपूर्ण होने पर कुछ छात्रों ने यूनिवर्सिटी का मुख्य गेट बंद करके आवागमन बंद कर दिया।

पदाधिकारियों सहित 24 घायल

छात्रों को खदेड़ने के लिए पुलिस द्वारा चलाई गई लाठी की चपेट में आकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत सह मंत्री अभिषेक बाजपेई, जिला संयोजक अनुराग मिश्रा, अभय शंकर पांडे, अंकित पांडे, नवीन, अर्पित शुक्ला, आशुतोष राय, प्रत्यूष पाण्डेय, अंकुर अवस्थी, सिद्धार्थ तिवारी, विदित प्रताप सिंह, योगेश सिंह, पुष्पेंद्र बाजपेई अभय शुक्ला समेत करीब 24 छात्रों की चोट आने का दावा किया गया है। इनमें छह को अधिक चोट आने पर मेयो अस्पताल में व दो को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छात्रों ने सीओ सिटी हर्षित चौहान पर लाठी चार्ज करवाने का आरोप लगाया है।

सुरक्षा कर्मियों की छात्रों से भिड़ंत

पुलिस के अनुसार, इसे लेकर यूनिवर्सिटी प्रशासन के कुछ लोगों व सुरक्षा कर्मियों की छात्रों से भिड़ंत गई। दोनों ओर से गेट बंद करवाने व खुलवाने को लेकर मारपीट शुरू होने से परिसर में अराजकता फैल गई। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठी फटकार पड़ी।

छात्रों ने चौकी में तोड़फोड़ कर तोड़े शीशे

मौके पर पहुंचे सीओ सिटी हर्षित चौहान ने स्थिति को संभालने के लिए छात्रों से बातचीत का भी प्रयास किया। विफल होने पर पुलिस कुछ छात्रों को पकड़ कर गदिया चौकी ले गई। इससे नाराज छात्रों ने चौकी पर तोड़फोड़ कर शीशे इत्यादि तोड़ दिए। इसके बाद पुलिस ने छात्रों को सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। यूनिवर्सिटी में एएसपी समेत तीन सीओ व भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

उधर, पुलिस द्वारा शांतिपूर्ण तरह से प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग किए जाने के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे डीएम आवास के सामने विरोध प्रदर्शन किया। नाराज कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारे बाजे करते हुए लाठीचार्ज करने वालों पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग भी की।

विद्यार्थियों में फैलाया जा रहा भ्रम

श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में हुए हंगामे पर रजिस्ट्रार प्रो. नीरजा जिंदल ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा जानबूझ कर विद्यार्थियों में यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि एलएलबी के कोर्स को बार काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता नहीं मिली है। जो सही नहीं है। बकायदा सत्र 2022-23 का अनुमोदन दस्तावेज काउंसिल की बेबसाइट पर अपलोड है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने चार काउंसिल को 2027 तक का अनुमोदन संबद्धता शुल्क भी अदा कर रखा है। विद्यार्थियों में फैले भ्रम को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय ने एक शपथ-पत्र भी जारी किया है। किसी भी विद्यार्थी को भविष्य में कोर्स के अनुमोदन अथवा डिग्री की वैधता कि समस्या नहीं आएगी। प्रत्येक विद्यार्थी के सुरक्षित भविष्य के लिए विश्वविद्यालय वचनबद्ध है।

यम बिना प्राणी अधूरा है- आचार्य श्री दयासागर

प्रयागराज। जीरो रोड स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व के छठे दिन को उत्तम संयम धर्म के रूप में मनाया गया। नगर के विभिन्न जैन मंदिरों में धूप दशमी पर विशेष धार्मिक आयोजन हुए।

भाद्रपद शुक्ल दशमी तिथि पर जिनालयों में वेदी में विराजित 24 तीर्थंकरों के सम्मुख शास्त्रों व जिनवाणी के सम्मुख धूप अग्नि पर धूप खेवन की गई। प्रात आचार्य दयासागर के सानिध्य में एवं पंडित आशीष जैन के निर्देशन में भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा की गए। प्रथम शांतिधारा करने का सौभाग्य मुनींद्र जैन यश जैन सपरिवार को मिला एवं सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य राजेश, राहुल रोहन जैन सपरिवार को मिला।

आचार्य श्री दयासागर ने बताया कि संयम बिना प्राणी अधूरा है। जीवन रूपी नदी के लिए संयम धर्म का पालन करना जरूरी है। हर वर्ष धूप दशमी का पर्व उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष भी मंदिर में विशेष आयोजन हुए।

डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर लगाई फटकार

जयसिंहपुर/ सुल्तानपुर। जयसिंहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को डीएम कुमार हर्ष ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में 32 कर्मचारियों में से 9 अनुपस्थित मिले। हालांकि, ड्यूटी रजिस्टर में केवल एक कर्मचारी को अनुपस्थित दिखाया गया था। डीएम ने एक्स-रे कक्ष का निरीक्षण किया। रेडियोलॉजिस्ट ने बताया कि दिन में 12 एक्स-रे किए गए।

ओपीडी में मरीज मीना कुमारी ने बताया कि कुछ दवाएं अस्पताल से मिलीं और कुछ बाहर से खरीदनी पड़ीं। स्वास्थ्य केंद्र में कई कमियां मिलीं। ड्रेसिंग रूम में साफ-सफाई नहीं थी। औषधि वितरण कक्ष में वॉशबेसिन गंदा था। रेफ्रिजरेटर का तापमान मानक के अनुरूप नहीं था। स्टॉक रूम में हेपेरॉन और ओबीडॉन दवाओं का स्टॉक रजिस्टर से मेल नही खाता है। डेंगू वार्ड में जनरल वार्ड के मरीजों को भर्ती पाया गया।

कादीपुर में समाजवादी पार्टी संगठन का विस्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। समाजवादी पार्टी के मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड ने कादीपुर में संगठन को मजबूती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। विधानसभा अध्यक्ष शहाबुद्दीन हाशमी ने आदर्श यादव को नगर अध्यक्ष और आरिफ अंसारी को सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया।नियुक्ति के अवसर पर पूर्व विधायक भगेलू राम ने दोनों नेताओं को पार्टी की टोपी पहनाकर और मनोनयन पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर शहाबुद्दीन हाशमी ने कहा कि जिला अध्यक्ष मोहम्मद शहजाद और प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा के आह्वान पर कार्यकर्ता पीडीए के जननायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करके मजबूती से चुनाव लड़ा जाएगा और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष लोहिया वाहिनी सुनील यादव एडवोकेट, मोहम्मद कैफ हाशमी, प्रिंस मौर्या, सौरभ मौर्या, अमित मौर्या सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्राइवेट वाहनों पर पुलिस लोगो हटाने का अभियान शुरू

सुल्तानपुर। जिले में पुलिस ने प्राइवेट वाहनों पर अवैध रूप से पुलिस का लोगो और नाम लिखकर चलने वालों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मंगलवार को यातायात पुलिस ने अभियान चलाकर ऐसे वाहनों को रोका और कार्रवाई की।अखंडनगर से लखनऊ जाने वाली आशीष ट्रैवल्स की प्राइवेट बस पर पुलिस लिखा मिला। यातायात निरीक्षक राम निरंजन ने बस स्टेशन पर वाहन को रोककर बस से पुलिस सिंबल को मौके पर ही खुर्चवाया और वाहन स्वामी पर 2000 का जुर्माना लगाया।टीएसआई राम निरंजन ने बताया कि इस तरह से अवैध तरीके से पुलिस का लोगो या नाम लिखकर चलना अपराध है। ऐसे वाहनों को न केवल जुर्माना भरना पड़ेगा बल्कि जरूरत पड़ने पर वाहन सीज भी किया जाएगा।पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि हाइवे पर फर्राटे भरने वाले प्राइवेट वाहन चालक इस तरह की हरकत से बाज आएं, वरना सख्त कार्रवाई होगी।

एनजीटी ने कंपनी पर लगाया था 18 करोड़ रुपए का जुर्माना, सुप्रीम कोर्ट ने किया रद्द

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (1 सितंबर) को पर्यावरण मानदंडों के उल्लंघन के लिए उत्तर प्रदेश में एक चीनी मिल पर 18 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाने के नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि न्याय करने की कोशिश में, एनजीटी ने ठीक उल्टा किया। कोर्ट ने कहा कि एनजीटी ने वैधानिक प्रक्रिया और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हुए आदेश पारित किया और न्याय करने की कोशिश में उल्टा अन्याय कर दिया।

जस्टिस मनोज मिश्रा और उज्जल भुइयां की बेंच ने मेसर्स त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड की अपील को स्वीकार करते हुए एनजीटी के 15 फरवरी, 2022 और 16 सितंबर, 2022 के दो आदेशों को रद्द कर दिया। बेंच ने कहा कि एनजीटी ने वैधानिक प्रक्रिया और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हुए जुर्माने लगाने का ये आदेश दिया था।

कोर्ट ने की एनजीटी के आदेशों की आलोचना

बेंच ने अपने फैसले में एनजीटी के आदेशों की आलोचना करते हुए कहा कि आमतौर पर, ऐसे मामलों में जहां प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन होता है, पक्षों को उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद दोबारा सुनवाई के लिए न्यायिक मंच पर भेज दिया जाता है। लेकिन इस मामले में, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 21 और 22 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन न करने के कारण पूरी प्रक्रिया ही दूषित हो गई है।

अपशिष्टों को बहाने के आरोप में लगाया गया जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट ने एनजीटी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं में खामिया निकालते हुए अपने फैसले में कहा है कि पक्षों को वापस हरित अधिकरण में भेजने से कोई उपयोगी उद्देश्य पूरा नहीं होगा। एनजीटी ने चंद्रशेखर नामक व्यक्ति की ओर से दाखिल शिकायत पर विचार करते हुए उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के खतौली स्थित त्रिवेणी इंजीनियरिंग की चीनी मिल पर स्थानीय नालों में बिना शोधन के ही अपशिष्टों को बहाने के आरोप में यह जुर्माना लगाया था।

शिकायत में कहा गया था कि बिना शोधन के दूषित जल नाले में बहाने से 1.5 किलोमीटर के दायरे में 50 मीटर गहराई तक भूजल दूषित हो रहा है। इस मामले में एनजीटी ने सीपीसीबी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) और मुजफ्फरनगर के जिला मजिस्ट्रेट के प्रतिनिधियों की एक संयुक्त समिति का गठन किया और समिति की रिपोर्ट आने के बाद जुर्माना लगाने का आदेश दिया था।

उत्तर प्रदेश के छोटे शहरों की बदलेगी सूरत, ₹6000 करोड़ से 13 शहर बनेंगे 'मिनी दुबई'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के शहरीकरण को नई दिशा देने के लिए एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद (UPHDB) 13 शहरों में 30 ग्रीनफील्ड टाउनशिप्स विकसित करने की योजना पर तेजी से काम कर रहा है। इस परियोजना के लिए ₹6000 करोड़ से अधिक के बजट को मंजूरी पहले ही दे गई है, जिसका उद्देश्य छोटे और मध्यम शहरों को मेट्रो सिटी की तरह विकसित करना, आवास की कमी को दूर करना और नियोजित शहरीकरण को बढ़ावा देना है। जिस तरह दुबई में टाउनशिप्स डेवलप की जा रही हैं और वहां पर अफोर्डेबल हाउसिंग जैसी फेसिलिटी बढ़ी हैं इसी तर्ज पर यूपी के शहरों में भी इन प्रोजेक्ट के बनने से डेवलपमेंट होगा।

यूपी टाउनशिप नीति 2023 के तहत शुरू की गई इस योजना के अंतर्गत अलीगढ़, मेरठ, झांसी, मथुरा, आगरा, मुरादाबाद, कानपुर, फिरोजाबाद, बुलंदशहर, बांदा, अयोध्या, रामपुर और सहारनपुर जैसे 13 प्रमुख शहरों में 30 टाउनशिप्स विकसित की जाएंगी। प्रत्येक टाउनशिप न्यूनतम 12.5 एकड़ के क्षेत्र में फैली होगी, जिसमें आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवासीय, वाणिज्यिक और सामुदायिक ढांचे शामिल होंगे। यूपी आवास विकास परिषद के अधिकारियों के अनुसार, कुछ परियोजनाएं सितंबर 2025 से शुरू हो जाएंगी, जबकि कई टाउनशिप्स का निर्माण कार्य दिवाली तक गति पकड़ लेगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य न केवल रियल एस्टेट क्षेत्र को गति देना है, बल्कि मध्यम और निम्न-आय वर्ग के लिए किफायती और गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराना भी है।

सरकार कैसे करेगी बजट का इंतजाम?

इस योजना को लागू करने के लिए सरकार ने एक अनूठा वित्तीय मॉडल अपनाया है। भूमि अधिग्रहण की लागत का 50% हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा, जिसे विकास प्राधिकरण 20 वर्षों की अवधि में चुकाएंगे। इसके अलावा, रूपांतरण शुल्क में 25 से 50% तक की छूट दी जाएगी, जिससे डेवलपर्स को परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी। परियोजना की मंजूरी और निष्पादन को सुगम बनाने के लिए एकल-खिड़की (सिंगल-विंडो) समाशोधन तंत्र लागू किया गया है। यह तंत्र न केवल समय पर परियोजनाओं को पूरा करने में सहायता करेगा, बल्कि डेवलपर्स के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को भी सरल बनाएगा।

छोटे शहरों को मेट्रो सिटी का दर्जा

उत्तर प्रदेश सरकार का यह कदम छोटे और मध्यम शहरों को मेट्रो सिटी के स्तर तक ले जाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। लखनऊ और कानपुर जैसे बड़े शहरों के साथ-साथ अयोध्या, सहारनपुर और बांदा जैसे शहरों को भी इस योजना में शामिल किया गया है, जो अब तक बड़े पैमाने पर शहरी विकास से अछूते रहे हैं। इन टाउनशिप्स में आधुनिक बुनियादी ढांचे जैसे चौड़ी सड़कें, हरित क्षेत्र, जल निकासी प्रणाली, बिजली आपूर्ति और सामुदायिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह परियोजना मेरठ, मथुरा और कानपुर जैसे शहरों के लिए पहले से चल रहीं ₹60,000 करोड़ से योजना का विस्तार भी मानी जा रही हैं।

आम लोगों के लिए साबित होंगी फायदेमंद

इस योजना का सबसे बड़ा लाभ आम नागरिकों को होगा। नियोजित टाउनशिप्स में मध्यम और निम्न-आय वर्ग के लिए किफायती आवास उपलब्ध होंगे। शहरों के बाहरी इलाकों में विकसित होने के कारण जमीन की लागत कम होगी, जिसका सीधा फायदा घर खरीदने वालों को मिलेगा। इसके अलावा, इन टाउनशिप्स में स्कूल, अस्पताल, बाजार और अन्य सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी, जिससे लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने इस योजना को समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परियोजनाओं में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि आगामी त्योहारी सीजन से पहले कई टाउनशिप्स का निर्माण कार्य शुरू हो जाए।

लोकतत्व के मर्मज्ञ साहित्यकार हैं मथुरा प्रसाद सिंह जटायु : अंजनी

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। साहित्य, समाज और शिक्षा तीनों क्षेत्रों में मथुरा प्रसाद सिंह जटायु ने अमिट छाप छोड़ी है। भाषा,छंद और शैली पर उनकी पकड़ मजबूत है। लोकतत्व के मर्मज्ञ साहित्यकार जटायु की रचनाओं का सही मूल्यांकन अभी बाकी है। यह बातें चर्चित स्तम्भकार अंजनी कुमार सिंह ने कहीं। वह वरिष्ठ साहित्यकार मथुरा प्रसाद सिंह जटायु के 74 वें जन्मदिन पर रेलवे यूनियन सभागार में कौंडिन्य साहित्य सेवा समिति व उद्गार मंच द्वारा आयोजित साहित्य दिवस समारोह को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे। अध्यक्षता करते हुए डॉ आद्या प्रसाद सिंह प्रदीप ने कहा कि कवि जटायु स्वयं में एक साहित्यिक संस्थान है । उनकी रचनाएं हिन्दी साहित्य की अमूल्य निधि हैं। प्रोफेसर रामजी तिवारी ने कहा कि जटायु का साहित्य बहुत ज्यादा मूल्यवान है। जटायु भारत के महान सांस्कृतिक मूल्य के प्रतीक हैं। डॉ ए.के.सिंह ने कहा कि कवि जटायु की कविताएं समाज को प्रेरित करती हैं। उनके खंड काव्य अहिल्या ने अहिल्या के बारे में मेरी पूरी धारणा ही बदल दी है। सरस्वती वंदना राजबहादुर राना, स्वागत राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि, आभार ज्ञापन पवन कुमार सिंह व संचालन नरेन्द्र शुक्ल ने किया। समारोह में अंगवस्त्र, सम्मान पत्र, पुष्पगुच्छ आदि देकर चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु चर्चित चिकित्सक डॉ ए.के.सिंह को आचार्य सुश्रुत स्मृति सम्मान, हिंदी संवर्धन हेतु दयाराम अटल को त्रिलोचन शास्त्री स्मृति सम्मान, हरिनाथ शुक्ल को मान बहादुर सिंह स्मृति सम्मान, शिक्षा क्षेत्र में डॉ.रवींद्र प्रकाश सिंह को अम्बिका प्रसाद सिंह स्मृति सम्मान, केशव प्रसाद सिंह को कृष्ण प्रसाद यादव स्मृति सम्मान, समाजसेवा क्षेत्र हेतु इंद्रमणि मिश्र को काशी प्रसाद पाण्डेय स्मृति सम्मान व विपिन यादव को राम चरित्र मिश्र स्मृति सम्मान देकर सम्मानित किया गया।

पारिवारिक संपत्ति बंटवारे में नहीं पड़ेगा भारी शुल्क, प्रदेश में बनेंगे टीवी-मोबाइल पार्ट्स

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। अब पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे संबंधी दस्तावेजों (विभाजन विलेख) पर भारी भरकम स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन शुल्क नहीं लगेगा। सरकार ने इसकी अधिकतम सीमा 5,000 तय करने का प्रस्ताव किया है, जिसे कैबिनेट ने हरी झंडी दे दी।

देश में बड़ी संख्या में लोग संयुक्त या अविभाजित संपत्ति के मालिक हैं। मौजूदा समय में इन संपत्तियों का बंटवारा अक्सर लिखित और पंजीकृत दस्तावेज के बजाय आपसी सहमति से किया जाता है। ऊंचे शुल्क के कारण लोग विभाजन विलेख दर्ज नहीं कराते और मामला अदालतों तक पहुंच जाता है। सरकार का मानना है कि शुल्क घटने से लोग पंजीकरण के लिए आगे आएंगे और विवाद कम होंगे। परिवारों में आपसी सौहार्द्र बढ़ेगा।

यूपी में बनेंगे टीवी, मोबाइल और लैपटाप के कंपोनेंट्स

राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025 को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। इस नीति का मकसद प्रदेश को केवल इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की असेंबली सेंटर तक सीमित नहीं करना है बल्कि इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेंट्स निर्माण के गढ़ के रूप में विकसित करना है। नीति के तहत प्रस्तावित प्रोत्साहनों और रियायतों की अवधि में लगभग 50,000 करोड़ रुपये का निवेश आने का अनुमान है। जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है।

आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स के प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने बताया कि अभी हम इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण ज्यादातर असेंबल करते हैं। जिसके पार्ट बाहर से आते हैं। अब हम पार्ट्स को भी यूपी में बनाएंगे। पहले 11 महंगे कंपोनेंट्स बनाने में फोकस किया जाएगा, जिनका इस्तेमाल टीवी, मोबाइल फोन, लैपटाप सहित अन्य उत्पादों में किया जाता है। इन्हें 'ग्लोबल वैल्यू चैन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स' के तहत यूपी में बनाया जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से डिस्प्ले मॉड्यूल, कैमरा मिडिल, इलेक्ट्रो मैग्नेटिक कम्पोनेंट्स, बैटरी सेल 10000 एमएच तक, पॉली कार्बोनेट से बनने वाले कवर, इनक्लोजर और इन्हें बनाने वाली मशीनरी आदि हैं।

निर्यात बढ़ाने के लिए उद्यमियों को 882 करोड़ की सौगात

उद्यमियों की चुनौतियां कम करके निर्यात बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति को मंजूरी को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। नई नीति में डिजिटल तकनीक, बुनियादी विकास, वित्तीय सहायता, निर्यात ऋण, बीमा, बाजार विस्तार और प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया गया है। नीति का लक्ष्य वर्ष 2030 तक पंजीकृत निर्यातकों की संख्या में 50 प्रतिशत वृद्धि करना और निर्यात 50 अरब डालर करना है। इस मद में 882 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि प्रदेश सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 29 अक्तूबर 2020 को उत्तर प्रदेश निर्यात नीति-2020 घोषित की थी, जो पांच वर्ष के लिए प्रभावी थी। नई निर्यात प्रोत्साहन नीति वर्ष 2030 तक प्रभावी रहेगी। नीति में उद्यमियों को अपने उत्पादों के वैश्विक प्रचार के लिए सब्सिडी के प्रावधान है। इसमें बॉयर सेलर मीट, प्रदर्शनी, प्रचार सहित तमाम गतिविधियों को शामिल किया गया है।

आउटसोर्स सेवा निगम के गठन को मंजूरी

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में आउटसोर्सिंग सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में मंगलवार को कुल 15 प्रस्तावों को स्वीकृति दी, जिसमें कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी दे दी गई। यह एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी होगी, जिसे नान-प्रॉफिटेबल संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा।

इसके माध्यम से अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे विभाग नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी का चयन करेगा। आउटसोर्स कर्मचारियों का चयन तीन वर्ष के लिए किया जाएगा। कर्मचारियों को 16 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया गया है। इस निर्णय के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक कर्मचारी को उसका पूरा हक मिले और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं को बेहतर अवसर देगा, बल्कि प्रदेश में रोजगार और सुशासन का नया मॉडल भी स्थापित करेगा।

लखनऊ और कानपुर में एनसीसी मॉडल पर 200 ई-बसों के संचालन की मंजूरी

कैबिनेट ने लखनऊ व कानपुर नगर के साथ उनके आसपास के कस्बों में नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (एनसीसी) मॉडल के तहत 200 इलेक्ट्रिक बसों (ई-बस) के संचालन को मंजूरी प्रदान की है। इस पायलट प्रोजेक्ट का उद्देश्य नगरीय परिवहन को पर्यावरण-अनुकूल, व्यवस्थित, और उपभोक्ता-केंद्रित बनाना है। साथ ही, सरकारी वित्तीय बोझ को कम करते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना है।

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि एनसीसी मॉडल नागरिकों के आवागमन की सुविधा सुनिश्चित करते हुए निजी ऑपरेटरों को अधिक व्यावसायिक स्वतंत्रता और प्रोत्साहन प्रदान करेगा, जिससे परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। नगरीय परिवहन निदेशालय परियोजना इसको लागू करेगा। वर्तमान में निदेशालय द्वारा प्रदेश के 15 नगर निगमों में 743 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें से 700 बसें ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (जीसीसी) मॉडल के तहत संचालित हो रही हैं। प्रोजेक्ट के तहत लखनऊ और कानपुर नगर में 10-10 मार्गों (कुल 20 मार्ग) पर 9 मीटर की वातानुकूलित (एसी) इलेक्ट्रिक बसों का संचालन होगा। अनुबंध की अवधि संचालन तिथि से 12 वर्ष तक की होगी। सरकार द्वारा चयनित मार्गों पर किसी अन्य निजी ऑपरेटर को संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिससे ऑपरेटरों को व्यावसायिक स्थिरता और एकाधिकार प्राप्त होगा।

राजकीय इंटर कॉलेजों में विशेष बच्चों को मिलेंगे विशेष शिक्षक

प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में विशेष (दिव्यांग) बच्चों के लिए विशेष शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में सात मार्च 2025 को दिए गए आदेश के अनुपालन में कैबिनेट ने वर्तमान पदों में से ही 47 पद विशेष शिक्षक के रूप में बदलने को अनुमति दे दी है। इससे विभाग पर कोई अतिरिक्त भार नहीं आएगा।

विभूतिखण्ड में पिस्टल से हमले की वारदात का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विभूतिखण्ड इलाके में साइबर हाइट्स के पास 30 अगस्त को हुई पिस्टल से हमले की सनसनीखेज वारदात का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। थाना विभूतिखण्ड पुलिस और डीसीपी पूर्वी की क्राइम टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो अवैध पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में दहशत फैला देने वाली इस घटना पर पर्दा उठ गया है।मामला 30 अगस्त की रात का है जब अकबरी गेट निवासी हम्ज़ा खान साइबर हाइट्स के पास से गुजर रहा था। उसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे अजीत पांडेय और उसके साथियों ने रास्ता रोककर उस पर हमला कर दिया। हम्ज़ा के अनुसार आरोपियों ने कार का शीशा तोड़कर पिस्टल से हमला किया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल होकर मूर्छित हो गया। इस मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और फरार आरोपियों की तलाश में टीमें गठित कीं।पुलिस ने तकनीकी और मैनुअल प्रयासों के जरिए 1 सितंबर को एसएसबी भवन के पास मंदिर वाली गली से अजीत पांडेय और जय प्रकाश यादव को दबोच लिया। तलाशी में दोनों के पास से असलहे और कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि घटना की जड़ कुछ दिन पहले हुए विवाद में है। वे सम्मिट बिल्डिंग स्थित "द हाइप रूम" बार में पार्टी करने गए थे, जहां उनका बार के कर्मचारी हम्ज़ा से झगड़ा हुआ।

प्रदेश में शुरू होने जा रहा है इलेक्ट्रिक बस संचालन, एनसीसी मॉडल से विकसित होगी स्वच्छ और आधुनिक परिवहन व्यवस्था

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने नगर विकास और ऊर्जा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की रूपरेखा तैयार की है। कैबिनेट बैठक के बाद नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने जानकारी दी कि प्रदेश में नेट कास्ट कॉन्ट्रैक्ट (एनसीसी) मॉडल पर आधारित इलेक्ट्रिक बस परियोजना का शीघ्र शुभारंभ किया जाएगा। इस पायलट प्रोजेक्ट को सबसे पहले जनपद कानपुर नगर, लखनऊ और उनके समीपवर्ती प्रमुख कस्बों में लागू किया जाएगा।मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि प्रस्तावित योजना के अंतर्गत निजी ऑपरेटर लखनऊ एवं कानपुर नगर में 10-10 मार्गों पर इलेक्ट्रिक बसें संचालित करेंगे। प्रत्येक चयनित ऑपरेटर को अपने निर्धारित मार्ग पर ही बस संचालन की अनुमति होगी और उस रूट पर किसी अन्य निजी ऑपरेटर की नियुक्ति नहीं की जाएगी। यह व्यवस्था पारदर्शिता और व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि इस अनुबंध की अवधि वाणिज्यिक संचालन तिथि से 12 वर्ष होगी, जिसमें चयनित निजी ऑपरेटर बसों की खरीद, निर्माण, आपूर्ति, अनुरक्षण और अन्य आवश्यक अवसंरचना की स्थापना के साथ-साथ किराया संग्रहण की पूरी जिम्मेदारी निभाएंगे।मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि किराया एवं टैरिफ शुल्क निर्धारण सरकार करेगी, ताकि यात्रियों को सुविधाजनक और किफायती परिवहन उपलब्ध हो सके। परियोजना के तहत परिवहन विभाग एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीओ/आरटीए) से आवश्यक रूट लाइसेंस प्राप्त कर निजी ऑपरेटरों को विशिष्ट मार्गों पर बसें संचालित करने की अनुमति दी जाएगी।श्री शर्मा ने कहा कि यह पहल केवल परिवहन व्यवस्था का विस्तार नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और जनहित से जुड़ी क्रांतिकारी पहल है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से नागरिकों को आधुनिक, आरामदायक और प्रदूषण रहित यात्रा सुविधा मिलेगी, वहीं प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा और हरित तकनीक को बढ़ावा मिलेगा।उन्होंने बताया कि इस पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के आधार पर इसे अन्य नगरों और महानगरों में भी विस्तारित किया जाएगा। इस परियोजना से न केवल नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे, बल्कि निजी निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा। निजी ऑपरेटरों की सक्रिय भागीदारी से सरकार के वित्तीय बोझ में कमी आएगी और बेहतर गुणवत्ता की सेवाएँ आम जनता को उपलब्ध होंगी।मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है ताकि जनता को सुरक्षित, सुलभ, सस्ती और प्रदूषण रहित परिवहन सेवाएँ प्रदान की जा सकें।

● संक्षेप ●

रिजॉर्ट से मोबाइल चोरी

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी इलाके के एक रिजॉर्ट के महिला डॉक्टर का मोबाइल चोरी हो गया। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मोबाइल चोर को तलाश रही है। डॉ. प्रियंका सिंह दिनांक 31 अगस्त शाम 5.00 बजे आनंद बेडिंग रिजार्ट, सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ में एक कार्यक्रम में शामिल हुई थी। कार्यक्रम के दौरान मेरा i Phone 15 मोबाइल फोन चोरी हो गया। मुझे संदेह है कि यह चोरी आनंद रिसर्ट के स्टाफ सदस्य द्वारा की गई है। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है

लखनऊ पुलिस ने कार सवार गिरोह का किया पर्दाफाश, चार शातिर गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र में कार में बंधक बनाकर नगदी और ऑनलाइन रकम ऐंठने वाले चार शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अपराध शाखा और मड़ियांव पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पकड़े गए आरोपियों के पास से 15 हजार रुपये नगद, चार मोबाइल फोन और सफेद रंग की स्विफ्ट कार बरामद की गई।घटना 30 अगस्त की है, जब सीतापुर जनपद के कस्बा हरगांव निवासी हम्माद अली ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया था कि एक अज्ञात कार चालक और उसके दो साथियों ने उसे अपनी गाड़ी में बैठाकर मारपीट की, जेब से 15 हजार रुपये छीन लिए और जान से मारने की धमकी देते हुए मोबाइल के माध्यम से 20 हजार रुपये ऑनलाइन मंगवा लिए। पीड़ित की तहरीर पर मड़ियांव थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।इसके बाद पुलिस लगातार अभियुक्तों की तलाश में लगी थी। 1 सितंबर को मुखबिर खास ने सूचना दी कि ककौली रोड पर एल्डिको रिगालिया के पीछे सफेद रंग की एक कार में चार व्यक्ति बैठे हैं, जिनका हुलिया घटना में शामिल बदमाशों से मिलता है। पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर चारों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम मोहम्मद रिजवान (29), गुफरान (27), मोहम्मद शान उर्फ सुहेल (19) और अजय कुमार यादव उर्फ मुनेन्द्र कुमार यादव (22) बताए। चारों आरोपी लखनऊ और सीतापुर के निवासी हैं।गिरफ्तारी के समय आरोपियों के पास से फिरौती की रकम में से 15 हजार रुपये, घटना में प्रयुक्त चार मोबाइल और स्विफ्ट कार नंबर UP32HD0199 बरामद की गई। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ मुकदमे में धारा 61(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की। पूछताछ में यह सामने आया कि आरोपी पीड़ित को बंधक बनाकर उससे नगदी वसूलते और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन कराकर रकम मंगवाते, जिसे आपस में बांटकर खर्च कर देते थे।पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी गुफरान का आपराधिक इतिहास है और उसके खिलाफ लखनऊ के बंथरा, हसनगंज और तालकटोरा थानों में चोरी और लूट से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। अन्य आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।गिरफ्तारी के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन किया गया। अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

मलिहाबाद पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले किशोर को पकड़ा, पीड़िता सकुशल बरामद

लखनऊ। थाना मलिहाबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने वाले 17 वर्षीय किशोर को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने अपहृत किशोरी को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।घटना 26 अगस्त की है, जब पीड़िता की मां ने अपनी नाबालिग पुत्री के गायब होने की सूचना पुलिस को दी थी। जांच में सामने आया कि एक किशोर ने उसे बहला-फुसलाकर भगा ले गया। परिजनों की तहरीर पर 1 सितंबर को थाना मलिहाबाद में मुकदमा पंजीकृत किया गया।इस मामले में पुलिस लगातार आरोपी की तलाश कर रही थी। आज मुखबिर की सूचना पर मलिहाबाद पुलिस ने मुजासा तिराहे के पास से आरोपी किशोर को हिरासत में लिया और लड़की को सकुशल बरामद किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था और पीड़िता की मां को जान से मारने की धमकी भी दी थी।बरामदगी के दौरान आरोपी किशोर के पास से 200 रुपये मिले। वहीं पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक संदीप कुमार, कांस्टेबल सुबास और महिला कांस्टेबल प्रमिला देवी शामिल रहे।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जाति हेतु सूकर पालन योजना के लिए 1.48 करोड़ रुपये स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में अनुसूचित जाति के विकास और आय सृजन हेतु सूकर पालन योजना के लिए 1 करोड़ 48 लाख 50 हजार रुपये स्वीकृत किए हैं। यह धनराशि विशेष घटक योजना (SCP) के तहत लाभार्थियों को प्रदान की जाएगी।पशुधन विभाग द्वारा जारी शासनादेश में निदेशक, प्रशासन एवं विकास को निर्देशित किया गया है कि स्वीकृत राशि का आहरण एवं व्यय भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा एससीएसपी/टीएसपी के लिए निर्धारित मानकों और अनुमोदित कार्ययोजना के अनुरूप किया जाए। साथ ही योजना के मदों और गाइडलाइन का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। शासनादेश के अनुसार, धनराशि का उपयोग योजना के तहत लाभार्थियों को सीधे उनके बैंक या डाकघर खातों में प्रदान किया जाएगा।

योगी सरकार रबी 2025-26 में किसानों को नि:शुल्क दलहनी-तिलहनी बीज मिनीकिट उपलब्ध कराएगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने अन्नदाता किसानों के हित में इस वर्ष भी विशेष पहल करते हुए रबी 2025-26 के लिए नि:शुल्क दलहनी और तिलहनी बीज मिनीकिट वितरित करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत किसानों को रबी फसल हेतु चना, मटर, मसूर और तिलहन फसलों के बीज मिनीकिट नि:शुल्क प्रदान किए जाएंगे।कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने जानकारी दी कि रबी फसल के लिए किसानों को चना (16 किग्रा.), मटर (20 किग्रा.), मसूर (8 किग्रा.) के साथ-साथ तिलहन फसल के अंतर्गत सरसों (2 किग्रा.) का बीज मिनीकिट उपलब्ध कराया जाएगा। लाभार्थियों का चयन लॉटरी पद्धति से किया जाएगा और इस प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक जिले में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति गठित की जाएगी।

गोसाईगंज में दिव्यांग युवक की हत्या का खुलासा, उधार के पैसे के विवाद में आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज थाना पुलिस ने दिव्यांग युवक की हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार हत्या की वजह करीब 50 हजार रुपये के लेन-देन का विवाद था। पकड़े गए आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद हुआ है।मामला ग्राम गदियाना, थाना मोहनलालगंज का है, जहां रहने वाला पवन (26) दोनों पैरों से दिव्यांग होते हुए भी ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसी गांव का रहने वाला मोहित रावत उर्फ रोहित करीब दो साल पहले अपनी बहन की शादी के लिए पवन से 50 हजार रुपये उधार लेकर गया था। पवन अक्सर पैसे लौटाने की मांग करता था, लेकिन आरोपी हर बार टालता रहा। इसको लेकर कई बार दोनों के बीच विवाद भी हुआ।परिजनों के अनुसार, दो दिन पहले भी जब पवन ने पैसे मांगे तो

आरोपी ने साफ मना कर दिया और धमकी दी कि ज्यादा दबाव डाला तो अंजाम बुरा होगा। अगले दिन यानी 1 सितंबर की सुबह आरोपी मोहित रावत पवन के पास आया और पैसे लौटाने का बहाना बनाकर उसे अपने साथ ले गया। वह पवन के ई-रिक्शे में बैठकर खुजौली-परेहटा मार्ग की ओर गया और सुनसान जगह पर पहुंचकर धारदार चाकू से पवन का गला रेतकर हत्या कर दी। घटना को कुछ राहगीरों ने देख लिया, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग निकला।

पुलिस ने सूचना पर सक्रियता दिखाते हुए उसी दिन इंदिरा नहर के पास से आरोपी मोहित रावत को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का चाकू झाड़ियों से बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ गोसाईगंज थाने में धारा 103(1) बीएनएस और 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार त्रिपाठी, उपनिरीक्षक अरविंद कुमार यादव, उपनिरीक्षक ऋषभ पांडेय, हेड कांस्टेबल राजेंद्र तिवारी, कांस्टेबल प्रदीप कुमार और कांस्टेबल बृजेश कुमार शामिल रहे।

थाना गोसाईगंज पुलिस टीम द्वारा 01 शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

लखनऊ। बीते एक अगस्त को देर रात्रि को थाना गोसाईगंज पुलिस द्वारा चौकी अमेठी क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की जा रही थी तभी पुलिस टीम को मुखबिर खास से अब्बासी वार्ड अमेठी में चल रहे गणेश जागरण/पण्डाल में अवैध असलहा लिये हुए एक युवक के घूमने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पाकर पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर चेक किया गया तो एक युवक संदिग्ध दिखायी दिया जो कि पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम द्वारा मौके पर सायुज्य अवस्थी उर्फ मानस पुत्र राम आरती अवस्थी निवासी ग्राम शहजादपुर मजरा अमेठी थाना गोसाईंगंज को युवक को पकड़ लिया गया, जिसकी जामा तलाशी ली गयी तो अभियुक्त के पहने कुर्ते की दाहिनी जेब से एक देशी तमंचा 315 बोर व एक अदद खोखा कारतूस बरामद हुआ।

बीबीएयू में सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण कैंप, युवाओं को मिला 'Don't Drink and Drive' का संदेश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, त्रिगुणा आर्गेनाइजेशन और आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ। कुलगीत के पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। मंच संचालन डॉ. नरेंद्र सिंह ने किया।कुलपति प्रो. मित्तल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय सावधानी बरतना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से 'Don't Drink and Drive' का संदेश दिया और कहा कि मोबाइल फोन का प्रयोग दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है। उन्होंने युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनकर सुरक्षित यातायात की संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रेरणा दी।त्रिगुणा आर्गेनाइजेशन के सीईओ आदर्श गुप्ता ने कहा कि असली साहस नियमों का पालन करना है, न कि सड़क पर रेस और स्टंट करना। आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड से भूपेन्द्र चौहान ने युवाओं को छोटी-सी सावधानी को जीवनभर की सुरक्षा की कुंजी बताते हुए यातायात नियमों के पालन का आह्वान किया।आईक्यूएसी डायरेक्टर प्रो. शिल्पी वर्मा ने सड़क अनुशासन की अनिवार्यता पर जोर दिया। वहीं शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही ने कहा कि सड़क हादसों में युवाओं का घायल होना देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए गंभीर चिंता है।

प्रदेश सरकार ने आपदा प्रभावितों के लिए 8.25 करोड़ रुपये मंजूर किए

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में आपदा प्रभावित व्यक्तियों और परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से 8 करोड़ 25 लाख रुपये मंजूर किए हैं। यह राशि राज्य आपदा मोचक निधि के तहत स्वीकृत की गई है और संबंधित जनपद के जिलाधिकारी के निवर्तन पर लाभार्थियों तक पहुँचाई जाएगी।राजस्व विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, बांदा के लिए 2 करोड़ रुपये, जौनपुर के लिए 75 लाख रुपये, कासगंज के लिए 1 करोड़ रुपये, लखनऊ के लिए 1 करोड़ रुपये, लखीमपुर खीरी के लिए 1 करोड़ रुपये, चित्रकूट के लिए 1 करोड़ रुपये, आगरा के लिए 1 करोड़ रुपये और जालौन के लिए 50 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस निर्णय के तहत प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराई जाएगी और शासन की यह पहल आपदा पीड़ितों के लिए समय पर मदद पहुँचाने में एक अहम कदम मानी जा रही है।

टिम्बर स्टोर के कर्मचारी को साथी ने फंटे से पीट कर अधमरा, इलाज के दौरान मौत

» सोशल मीडिया पर घटना का मैसेज वायरल होने के बाद दर्ज हुआ आरोपी पर गैर इरादन हत्या की धारा में मुकदमा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के एक टिम्बर हाउस में बीते रविवार की देर रात पैसे के लेनदेन को लेकर एक कर्मचारी ने दूसरे कर्मचारी की लकड़ी के फंटे से बुरी तरह पिटाई कर मरणासन्न कर मौके से भाग निकला।खून से लतपथ कर्मचारी को गम्भीर अवस्था में अन्य कर्मचारी इलाज के लिये ट्रामा सेंटर लेकर गये।जहां डाक्टर ने सोमवार को मृत घोषित कर दिया।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पीड़ित पत्नी ने परिजनो संग सोमवार की देर शाम सुशान्त गोल्फ सिटी थाने पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत कर आरोपी पर कार्यवाही की मांग की तो पुलिस ने बिना कार्यवाही चलता कर दिया।मगंलवार को सोशल मीडिया पर घटना के वायरल मैसेज को संज्ञान में लेकर डीसीपी दक्षिणी ने इंस्पेक्टर को फटकार लगायी।तब जाकर पुलिस ने आरोपी के विरूद्व गैर इरादन हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुट गयी है।

सीतापुर जनपद के ग्राम कुशमा निवासी संजय शर्मा ने बताया उसका छोटा भाई अमित कुमार(31वर्ष) सुशान्त गोल्फ सिटी के एएस टिम्बर हाउस में बीते छः साल से काम करता था ओर वही रहता था,बीते रविवार की रात छोटा भाई अमित कर्मचारियो के साथ स्टोर में बैठा था तभी साथी कर्मचारी विकेश कुमार निवासी जलालाबाद से पैसे के लेनदेन को लेकर उसका विवाद हो गया जिसके बाद नाराज विकेश ने पास में पड़े लकड़ी के फंटे से अमित के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार कर उसे बुरी तरह लहूलूहान कर मरणासन्न कर मौके से भाग निकला।जिसके बाद आनन फानन साथी कर्मचारी खून से लतपथ भाई को इलाज के लिये राम मनोहर लोहिया अस्पताल लेकर गये ओर परिजनो को घटना की सूचना दी।जिसके बाद पत्नी मनोरमा समेत परिजन सीतापुर से अस्पताल पहुंचे।सोमवार को कर्मचारी अमित कुमार की हालत बिगड़ने पर डाक्टरो ने इलाज के लिये ट्रामा टू रेफर कर दिया।जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।जिसके बाद पुलिस ने मृतक कर्मचारी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।मृतक के परिवार में पत्नी मनोरमा व एक मासूम बेटा शंशाक व बेटी रिया है।मुखिया की मौत के बाद परिवार पर रोटी का संकट आ गया।डीसीपी निपुण अग्रवाल ने बताया मृतक की पत्नी की तहरीर पर आरोपी के विरूद्व गैर इरादन हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।वही पत्नी की शिकायत पर कार्यवाही करने की बजाय थाने से टरकाने के मामले की जांच कराकर दोषी पुलिसकर्मियो पर कार्यवाही की जायेगी।

आरोपी को पकड़कर लाओ फिर होगी कार्यवाही...

भाई संजय ने बताया मृतक भाई अमित की पत्नी मनोरमा समेत अन्य परिजनो के साथ लिखित शिकायत लेकर सोमवार की रात सुशान्त गोल्फ सिटी थाने पहुंचे और वहा मौजूद दारोगा समेत पुलिसकर्मियो को तहरीर देते हुये कार्यवाही की मांग की तो दारोगा ने पहले तो घायल को लाने की बात कही जब उसने मौत होने की बात कही तो बोले आरोपी को पकड़कर लाओ तब कार्यवाही होगी ओर अभद्रता करते हुये मौके से बिना कार्यवाही बैरंग वापस कर दिया।जिसके बाद मृतक की पत्नी ने सीएम हेल्पलाइन नम्बर 1076पर फोन कर पति की पीट पीट कर हत्या करने के आरोपी पर कार्यवाही की मांग की।

सोशल मीडिया पर मैसेज वायरल होने के बाद दर्ज किया मुकदमा

सुशान्त गोल्फ सिटी थाने की चौखट पर पीड़ितो की न्याय की आस दम तोड़ती नजर आ रही है तोड़े भी क्यो ना यहा तैनात इंस्पेक्टर व उनके मातहत जो बेंदाज है,पति अमित की मौत के बाद आरोपी पर कार्यवाही की आस लेकर थाने पहुंची पत्नी मनोरमा व भाई से जिस तरह का अभद्र व्यवहार कर थाने से चलता कर दिया गया पुलिस की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा करता है,मगंलवार की सुबह परिजनो ने पिटाई की सीसीटीवी फुटेज व पिटाई से सिर की टूटी हड्डियो का एमआरआई सोशल मीडिया पर वायरल कर आरोपी पर कार्यवाही किये जाने की मांग की।तब जाकर डीसीपी की फटकार के बाद पुलिस ने आरोपी पर मुकदमा दर्ज किया।

चीन-भारत के मिठास भरे संबंधों से नयी विश्व संरचना संभव

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रविवार को हुई द्विपक्षीय बातचीत पर अगर दुनिया भर की नजरें टिकी थीं तो यह उद्देश्यपूर्ण एवं वजहपूर्ण थी, क्योंकि बदलती दुनिया में हाथी और ड्रैगन का साथ-साथ चलना जरूरी हो गया है। दोनों शीर्ष नेताओं की सौहार्दपूर्ण बातचीत ने न केवल दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ते सामंजस्य की प्रक्रिया को मजबूती दी है बल्कि कई तरह की अनिश्चितताओं के बीच विश्व अर्थ-व्यवस्था के लिए भी नई संभावनाएं पैदा की हैं, चीन में दिखे दोनों देशों के मिठासभरे संबंध अनेक नई आशाओं एवं उम्मीदों को नया आकाश देने वाले बनते हुए प्रतीत हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों में लंबे समय बाद सकारात्मकता की नई हवा बहती दिखाई दे रही है। एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात ने संकेत दिया है कि दोनों देश पुराने मतभेदों और अविश्वास को पीछे छोड़कर साझेदारी की नई इबारत लिखना चाहते हैं। यह मुलाकात केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं थी, बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में सहयोग और संवाद की अपरिहार्यता को स्वीकार करने का प्रयास थी।

भारत-चीन दोनों ही विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और विशाल जनसंख्या वाले देश हैं। ऐसे में यदि दोनों साथ आते हैं तो न केवल आपसी विकास संभव है, बल्कि वैश्विक संतुलन और शांति की दिशा में भी बड़ा योगदान होगा। हालांकि सीमाई विवाद और विश्वास की कमी जैसे मुद्दे अब भी बने हुए हैं, परंतु यदि इन्हें परे रखकर साझा आर्थिक, सामरिक और सांस्कृतिक सहयोग को प्राथमिकता दी जाए तो यह संबंध नई ऊँचाइयों को छू सकते हैं। भारत और चीन के बीच यह संवाद केवल दो देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबदबे के बीच एशियाई शक्ति संतुलन को नई दिशा दे सकता है। यदि दोनों राष्ट्र व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाकर आपसी हितों पर ध्यान केंद्रित करें तो न केवल तनाव कम होंगे, बल्कि विश्व राजनीति में एशिया की भूमिका भी मजबूत होगी। निश्चित ही लंबे समय से चली आ रही आपसी अविश्वास की दीवारों और तनाव की बर्फ को पिघलाने का प्रयास हुआ है।

सबसे पहले, इन वार्ताओं ने यह संकेत दिया है कि भारत और चीन अब केवल मतभेदों में उलझे रहने के बजाय साझेदारी की संभावनाओं पर ध्यान दे रहे हैं। व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग की दिशा में नए आयाम खुल सकते हैं। चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और यदि यह संबंध संतुलन और पारस्परिक विश्वास पर आधारित हो जाए, तो दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को अपार गति मिल सकती है। इस मुलाकात ने अमेरिका की "दादागिरी" पर भी चोट की है। डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक आर्थिक नीतियां और संरक्षणवादी रुख एशिया के उभरते राष्ट्रों को नई गठबंधन राजनीति की ओर धकेल रहा है। भारत-चीन के बीच बढ़ती समझदारी और रूस की भूमिका के साथ एक "त्रिकोणीय शक्ति" का उभार संभव है, जो पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देगा। यह न केवल शक्ति-संतुलन की नई धुरी बनेगा, बल्कि विश्व शांति और सौहार्द की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। पाकिस्तान पर भी इसका असर दिखना स्वाभाविक है। भारत-चीन की नजदीकी पाकिस्तान के लिए असुविधा का कारण बनेगी, क्योंकि उसकी विदेश नीति लंबे समय से चीन पर आश्रित रही है।

भारत-चीन संबंधों का यह नया अध्याय यदि संतुलित, यथार्थवादी और सावधानीपूर्वक आगे बढ़ाया जाए तो एशिया ही नहीं, पूरे विश्व की राजनीति में एक स्थिरता और संतुलन स्थापित हो सकता है। यह विश्व को बहुध्रुवीय बनाने की दिशा में ठोस कदम होगा। लेकिन, इन सकारात्मक संकेतों के बावजूद भारत को सावधानी बरतनी होगी। इतिहास गवाह है कि चीन के साथ हर मित्रवत वार्ता के पीछे उसका रणनीतिक हित गहराई से काम करता है। डोकलाम, गलवान और सीमाई विवाद आज भी अधर में हैं। चीन की आर्थिक नीतियों और विस्तारवादी प्रवृत्ति को अनदेखा करना भारत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसलिए यह साझेदारी अवसर तो है, लेकिन चुनौती भी। भारत को यह ध्यान रखना होगा कि व्यापारिक रिश्तों और राजनीतिक साझेदारी में आत्मनिर्भरता और सुरक्षा सर्वोपरि रहे। भारत को हर स्थिति में अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और रणनीतिक हितों के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहिए। भले ही शंघाई सहयोग संगठन में आतंकवाद से लड़ना भी शामिल हो, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि चीन ने इस मुद्दे पर किस तरह भारतीय हितों के खिलाफ काम किया है। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर के समय चीन की भूमिका को ओझल नहीं किया जा सकता। बावजूद इसके चीन भारत की निकटता वक्त की जरूरत है।

हाथी और ड्रैगन का साथ आना जरूरी- लेकिन भरोसा बड़ी चीज है

चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी हुई। बैठक के दौरान अलग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात भी हुई और दोनों नेताओं के साथ पीएम मोदी ने अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक भी की।

संतोष कुमार पाठक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से त्रस्त दुनिया के कई देशों की नजरें इस बार चीन के तियानजिन शहर में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की बैठक पर लगी हुई थी। क्योंकि इस बैठक के दौरान दुनिया के 3 ताकतवर देशों- भारत, रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात भी होनी थी और साथ ही अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक भी तय थी। खासतौर से दुनियाभर की निगाहें इस बात पर टिकी हुई थी कि भारत और चीन के आपसी संबंधों में क्या बदलाव आने वाला है।

चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी हुई। बैठक के दौरान अलग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात भी हुई और दोनों नेताओं के साथ पीएम मोदी ने अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक भी की।

पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बहुत ही अच्छे माहौल में द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक के दौरान दोनों देशों के साथ आने की बात कहते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, ₹दुनिया बदलाव की ओर बढ़ रही है। चीन और भारत दुनिया की दो सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं। हम दोनों दुनिया के सबसे ज़्यादा आबादी वाले देश हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। दोस्त बने रहना, अच्छे पड़ोसी होना, ड्रैगन और हाथी का साथ आना बहुत ज़रूरी है।'

जिनपिंग की ये तमाम बातें सुनने में भले ही बहुत अच्छी लगती हो लेकिन कड़वी हकीकत तो यही है कि दोनों देशों के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए चीन के राष्ट्रपति ने जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम उठाने का ऐलान नहीं किया। जबकि पिछले महीने ही भारत की यात्रा पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत में दोनों देशों के आपसी रिश्तों को सुधारने के लिए 10 सूत्रीय एजेंडे पर सहमति बनी थी। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि इस 10 सूत्रीय एजेंडे के तहत चीन के राष्ट्रपति पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान सीमा पर शांति एवं स्थिरता बनाए रखने, चीनी सेना को बॉर्डर से पीछे हटाने और विश्वास बहाली के तहत कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

भारत के अभिन्न अंग लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर 2020 से पहले की स्थिति अभी तक बहाल नहीं हो पाई है। सीमा पर पूरी तैयारी और साजो-सामान के साथ चीन ने 50 हजार से ज्यादा की फौज को तैनात कर रखा है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों का मंदारिन में नामकरण करके भी अपने नापाक इरादों को जाहिर कर दिया है। इतना ही नहीं, आतंकवाद की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान की पीठ पर भी चीन का हाथ बना हुआ है। भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भी चीन पूरी तरह से पाकिस्तान के साथ ही खड़ा नजर आया।

तियानजिन शहर में जिनपिंग ने भारत के साथ संबंधों को लेकर शब्दों से एक माहौल बनाने की कोशिश तो की लेकिन यह सभी जानते हैं कि जब तक वह भारत की चिंताओं पर ठोस काम नहीं करेंगे तब तक शायद ही कोई भारतीय उन पर भरोसा कर पाएगा।

अमेरिका के टैरिफ आतंकवाद से त्रस्त भारत को चीन के साथ जाने से पहले पाकिस्तान के आतंकवाद और उसे चीन द्वारा दिए जा रहे समर्थन के बारे में भी ध्यान रखना होगा। इस मौके का फायदा उठाकर चीन, न केवल भारत में निवेश और व्यापार करने की खुली छूट चाहेगा बल्कि टिकटॉक सहित 50 से ज्यादा चीनी एप्स पर भारत द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को भी हटवाने की कोशिश करेगा।

भारत के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन चीन का रास्ता भी पूरी तरह से साफ नहीं है। चीन ने वर्ष 2013 में अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को धमाकेदार अंदाज में शुरू किया था लेकिन यह कई तरह के संकटों में घिर गया है। तिब्बत पर चीन के अवैध कब्जे का मामला हो या तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुनने का मामला हो या फिर ताइवान को लगातार धमकाने का मामला हो, वास्तविकता तो यही है कि इन सभी मुद्दों का स्थायी और अंतिम समाधान भारत के बिना चीन हासिल नहीं कर सकता है।

ऐसे में मोदी सरकार को हर मौके और हर मंच पर चीन को यह बताना होगा कि हाथी और ड्रैगन तभी डांस कर सकते हैं जब ड्रैगन के हाथ में किसी भी तरह का कोई खंजर नहीं होगा। क्योंकि भरोसा बड़ी चीज है, जिसे चीन ने हर बार तोड़ने का काम किया है और पाकिस्तान के रवैए से तो पूरी दुनिया ही वाकिफ है।

अजब-गजब

पति और बेस्ट फ्रेंड ने दिया धोखा, पत्नी ने लिया ऐसा बदला कि पूरा शहर देखता रह गया

प्यार में धोखा मिलने से व्यक्ति अंदर से टूट जाता है। उसके लिए इस सदमे से उबरना मुश्किल हो जाता है। लेकिन चीन के हुनान प्रांत की एक महिला ने जिस तरह से अपने धोखेबाज पति और बेस्ट फ्रेंड से बदला लिया, उसने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है। यह मामला अब सोशल मीडिया की 'दुनिया' में आग की तरह फैल रहा है।

चीन के चांगशा की रहने वाली इस महिला को हाल ही में पता चला कि उसके पति का पिछले 5 साल से किसी के साथ अफेयर चल रहा है, और वह महिला कोई और नहीं बल्कि उसकी ही बेस्ट फ्रेंड है। इस धोखे से महिला बुरी तरह टूट गई, लेकिन अपनी किस्मत को कोसने और चुपचाप आंसू बहाने की बजाय कुछ ऐसा किया, जिसकी शायद ही किसी ने कल्पना की थी। महिला ने बदला लेने का ऐसा तरीका अपनाया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, महिला ने पूरे शहर में लाल रंगे के बैनर लगवाए, जिन पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था- 5 साल तक मेरा साथ निभाने वाले पति के धन्यवाद। यह सीधा-सीधा उसकी बेवफा बेस्ट फ्रेंड पर तंज था, जिसने उसकी पीठ में छूरा भोंका था।

इतना ही नहीं, महिला ने एक और बैनर लगवाया, जिसमें उसने सीधे अपनी सहेली का नाम लेते हुए लिखवाया, शी ने नैतिकता के सारी हदों को लांघ दिया। उसने अपनी सबसे अच्छी दोस्त के पति के साथ अवैध संबंध बनाए। फिर क्या था। किसी ने इन बैनरों की तस्वीर खींचकर उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया, जो देखते ही देखते वायरल हो गई और ये बैनर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गए।

इस घटना ने एक नई बहस छेड़ दी है। कुछ लोग महिला की हिम्मत की दाद दे रहे हैं, तो कई इसे गलत ठहरा रहे हैं। वकीलों का मानना है कि महिला का यह कदम उसकी सहेली की प्राइवेसी और उसके रेप्युटेशन पर हमला है, जिससे उसे कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

लेकिन महिला का कहना है कि पति का धोखा तो वह किसी तरह बर्दाश्त कर लेगी, पर सबसे गहरा जख्म तो उसकी सबसे करीबी दोस्त ने दिया था। इस धोखे ने उसे अंदर से तोड़ दिया।

ब्लॉग

न्याय होता हुआ दिखेः तारीख़ पर तारीख़ की संस्कृति बदले

ललित गर्ग

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 75 वर्ष का गरिमामय सफर पूरा किया है। यह केवल एक ऐतिहासिक पड़ाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को परखने का अवसर भी है। न्यायपालिका ने इन आठ दशकों में अनेक युगांतरकारी फैसले दिये, जिन्होंने संविधान की मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। किंतु आज सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है। शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब 'तारीख़ पर तारीख़' की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है। जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है।

इसे भी पढ़ेंः इन्फ्लूएंसरों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग आखिर कब तक

इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों बढ़ोतरी से पूरा समाज हिला हुआ है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों के मन से कानून का भय लगभग समाप्त हो चुका है। यही कारण है कि अब न केवल कठोर कानून बल्कि त्वरित और निष्पक्ष न्याय की मांग बलवती हो रही है। आज न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती है-न्याय में विलंब। जिला अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक करोड़ों मामले लंबित हैं। केवल जिला अदालतों में ही साढ़े चार करोड़ से अधिक मामले अटके पड़े हैं। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती है, क्योंकि न्याय में विलंब, न्याय के इनकार के समान है।

दरअसल, लंबित मामलों के पीछे कई कारण हैं-न्यायाधीशों की अपर्याप्त संख्या, अदालती प्रक्रियाओं की जटिलता, अनावश्यक स्थगन, वकीलों द्वारा मुकदमों को खींचना और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही। यही वजह है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम होता जा रहा है और आम नागरिक का भरोसा डगमगाने लगता है। भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ जिला एवं स्थानीय अदालतें हैं। यदि इन स्तरों पर शीघ्र और सस्ता न्याय नहीं मिलेगा, तो सुप्रीम कोर्ट की उपलब्धियां अधूरी मानी जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर स्वतः संज्ञान लेकर राहत देता रहा है-जैसे हाल ही में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनवाने की पहल। किंतु जिला स्तर पर ऐसी सजगता और सक्रियता नहीं दिखाई देती। इसलिए सुधार की असली शुरुआत निचले स्तर से ही करनी होगी।

भारतीय न्याय प्रणाली की विसंगतियां और सुधार की राह जटिल है, लेकिन असंभव नहीं है। दृढ़ संकल्प एवं कार्ययोजना के साथ आगे बढ़े तो आजादी के अमृतकाल में हम न्याय प्रणाली को युगांतरकारी मोड़ दे सकते हैं। देश में जनसंख्या के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। तत्काल नियुक्तियों और प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। ई-कोर्ट, ऑनलाइन सुनवाई, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे कदम न्याय प्रक्रिया को गति दे सकते हैं। अनावश्यक स्थगन पर अंकुश जरूरी है। क्योंकि स्थगन देने की परंपरा अपराधियों और वकीलों के लिये हथियार बन चुकी है। इस पर कड़ा नियंत्रण जरूरी है। पुलिस व जांच एजेंसियों को दायित्वशील एवं जिम्मेदार बनाना होगा। क्योंकि पुख्ता सबूतों और चार्जशीट समय पर दाखिल करने से ही मामलों में शीघ्र निर्णय संभव है। अदालतों के साथ-साथ वकीलों और पुलिस पर भी जवाबदेही तय करनी होगी। महिलाओं, बच्चों और संवेदनशील मामलों के लिये विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों को और मजबूती देनी होगी।

न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं। जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा। अमेरिका जैसे देशों में किसी भी मामले के लिए अधिकतम अवधि तीन वर्ष तय है, जबकि भारत में 20-30 वर्षों तक मुकदमे चलते रहना आम बात है। इस विसंगति को दूर करने के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की सीमा तय की जानी चाहिए। हाल ही में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी की उम्मीद है। यदि इन कानूनों का सही क्रियान्वयन हो, तो 'तारीख पर तारीख' की संस्कृति पर अंकुश लग सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय का 75 वर्ष का यह सफर लोकतंत्र के इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। इस अवधि में आपातकाल जैसे संकटों से लेकर सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिलाओं के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक अनेक क्षेत्रों में इसने ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। किंतु आने वाले 25 वर्षों में न्यायपालिका की असली परीक्षा इस बात पर होगी कि वह न्याय को त्वरित, सुलभ और सर्वसुलभ बना पाती है या नहीं? न्यायपालिका आज भी आम नागरिक के लिये अंतिम आशा की किरण है। परंतु इस भरोसे को जीवित रखने के लिए उसे अपनी कमजोरियों को दूर कर एक नए युग की शुरुआत करनी होगी-जहाँ न्याय केवल "होता हुआ" न रहे, बल्कि "दिखता हुआ" भी हो। यही सर्वोच्च न्यायालय की 75 साल की यात्रा का वास्तविक उत्सव और सार्थक स्मरण होगा।

बुर्के वाली गर्लफ्रेंड निकली लड़का! दोनों मिले, साथ में ट्रेन यात्रा भी की... फिर भी नहीं पहचान पाया प्रेमी, आगे की कहानी हैरान कर देगी

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या से सोशल मीडिया के जरिए ठगी का हैरान करने वाला मामला सामने है। मामला अयोध्या जनपद के खजुरहट क्षेत्र का है। यहां गांव के एक युवक ने इंस्टाग्राम पर मुस्लिम युवती बनकर गुजरात के रहने वाले एक मुस्लिम विवाहित युवक को अपने झांसे में ले लिया। इसके बाद युवक उससे कई महीने तक युवती बन कर प्रेम की बातें करता रहा। अयोध्या के युवक ने गुजरात के विवाहित युवक के सामने खुद को एक पीड़ित विवाहिता की तरह प्रजेंट किया था। वो हमेशा अपने आप को पति के द्वारा मार पीट करने की बात बताया करता था, यही नहीं फोन कॉल पर भी युवक अपने गुजराती प्रेमी से घंटों तक बातें भी करता था।

युवक का नाम मनीष बताया जा रहा। वो लड़कियों की आवाज़ निकलने में माहिर है, जिससे उसने फोन कॉल पर कभी भी जाहिर नहीं होने दिया कि उसकी असलियत क्या है। इसी बातचीत के दौरान मनीष ने गुजराती प्रेमी से 40-40 हजार करके कई बार किस्तों में पैसे ऐठ लिए। मनीष ने गुजराती प्रेमी से कुल एक लाख 40 हजार रुपये ऐठ लिए। बस इसी रकम ने पूरे खेल का पर्दाफांस कर दिया।

प्रेमी पहुंचा अयोध्या

दअरसल कई महीने से मनीष गुजराती प्रेमी से अपना पीछा छुड़ाना चाह रहा था। इसी दौरान गुजराती प्रेमी ने प्रेमिका से मिलने अयोध्या आने की बात कही, जिसको लेकर मनीष ने गुजराती प्रेमी को अयोध्या बुलाया। अयोध्या आने पर मनीष अपने मुस्लिम गुजराती प्रेमी से बुर्के में मिला। इस दौरान दोनों ने अयोध्या से गुजरात जाने की बात की और तय हुआ कि गुजरात जाकर दोनों शादी करके एक साथ रहेंगे। इसके बाद गुजराती प्रेमी के साथ मनीष बुर्के में रहते हुए ही अपने परिवार के लोगों से गुजराती प्रेमी को मिलाया। जिसमें दो महिलाएं भी शामिल थी।

बुर्का पहनकर अयोध्या-गुजरात के लिए निकला युवक

इसके बाद गुजराती प्रेमी के साथ मनीष बुर्का पहने-पहने अयोध्या से गुजरात के लिए चल दिया। लखनऊ रेलवे स्टेशन पहुंचने पर उधर लखनऊ जीआरपी पुलिस को किसी संदिग्ध बुर्का नसी की तलाश पहले से थी। लखनऊ रेलवे स्टेशन पहुंचने पर जीआरपी के जवानों ने बुर्के में चल रहे मनीष की संदिग्ध स्थिति को भांपा लिया। रेलवे पुलिस ने दोनों को स्टेशन पर पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। हिरासत में लेने के बाद जीआरपी महिला पुलिसकर्मियों ने बुर्का नाशी के साथ पूछताछ करने लगी और बुर्का हटाने की बात कही। इस पर जब मनीष ने अपना बुर्का चेहरे से हटाया तो पुलिस कर्मियों के भी होस उड़ गए।

रेलवे पुलिस को सुनाई कहानी

इसके बाद मनीष ने लखनऊ रेलवे पुलिस को अपनी कहानी बताई और कहा की अगर मेरी सच्चाई उजागर हुई तो मैं कही का नहीं रहूंगा। मैं एक बड़ी मुसीबत में फंस जाऊंगा आप लोग बाहर बैठे आदमी से कुछ भी न कहिएगा और पुलिस कर्मियों के पैरों पर गिर पड़ा। जिसके बाद रेलवे पुलिस कर्मियों ने उससे वहां से जाने के छोड़ दिया।

इसके बाद दोनों गुजरात जाने के लिए ट्रेन पर सवार हो गए। सफर के दौरान बुर्का नसी कभी भी युवक के सामने खाना और पानी पीने का काम नहीं करता था ताकि उसका भेद न खुले, लेकिन सफर के दौरान करीब आने पर गुजराती मुस्लिम युवक को बुर्के के अंदर की हकीकत पता चल गई।

मुस्लिम युवक को पता चली हकीकत

हकीकत पता चलने के बाद मनीष और मुस्लिम युवक में खूब नोक झोंक हुए। इस दौरान माफ करने और पैसे वापस करने की बात पर दोनों ने सहमति बन गई और दोनों एक साथ गुजरात चले गए। मनीष मुस्लिम युवक के साथ गुजरात के सांवर कांठा में ही रहने लगा और वहां पर शटरिंग का काम करने लगा।

इधर मनीष के घर वालों ने गुजरात के प्रेमी के खिलाफ अयोध्या पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में लिखा गया कि मेरा भाई गुजरात में काम करता है जहां उसे किडनैप कर लिया गया है। वह मुस्लिम युवक है जो ढाई लाख रुपए मांग रहा है। रुपए न देने पर मेरे भाई की किडनी निकालने की बात कह रहा है।

शिकायत के बाद जांच में जुटी पुलिस

अयोध्या पुलिस को जब इस मामले की शिकायत मिली तो अयोध्या पुलिस तुरंत सतर्क हो गई। मामला दो समुदाय से इसलिए पुलिस ने मामले को बड़ी ही गंभीरता से लिया। इसके बाद अयोध्या के एसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर के निर्देश पर एक टीम गठित की गई। टीम ने गुजरात के सांवर कांठा के पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया गया। इसके बाद गुजरात पुलिस ने इस मामले पर अयोध्या पुलिस की पूरी मदद की। अयोध्या पुलिस की टीम सर्विलांस के माध्यम से उस जगह तक पहुंच गई जहां पर मनीष मुस्लिम युवक के साथ रहता था।

सच आया सामने

घंटों तक पूछताछ के बाद पूरी कहानी ने सभी पुलिसकर्मियों को अचंभित कर दिया। इसके बाद इस घटना का खुलासा हुआ। हालांकि, दोनों पक्षों ने पैसे की वापसी के बाद आपसी सहमति बना ली है। दोनों ने गुजरात पुलिस और उत्तर प्रदेश की से इस मामले में कोई कार्रवाई न करने का निवेदन किया। उत्तर प्रदेश पुलिस की त्वरित कार्रवाई के बाद इस फर्जी प्रेम कहानी का खुलासा हुआ।

कलीनगर में मोबाइल से वीडियो बनाने के विवाद में जमकर चटकी लाटिया, मुकदमा

» **पिटाई से मां बेटी सहित कई घायल, गर्दन फाड़ने की धमकी**

आर्यावर्त संवाददाता

पूरनपुर, पीलीभीत। मोबाइल से वीडियो बनाने को लेकर दो पक्षों में बवाल हो गया। मारपीट में जमकर लाठी डंडा चलने से मां बेटी सहित कई लोग जख्मी हो गए। लोगों ने पहुंचकर बीच-बचाव कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले में एक पक्ष की ओर से पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कुछ दिन पहले भी दोनों पक्ष में विवाद होने पर केस दर्ज किया जा चुका है।

कलीनगर की रहने वाली प्रेमवती ने बताया 12 अगस्त शाम 7 बजे पड़ोस करने वाला अरविंद संतोषी देवी के घर जा रहा था। इस बीच महिला की बेटी सोनम घर के बाहर बैठी मोबाइल देख रही थी। तभी अरविंद ने सोनम से वीडियो बनाने का शक जताकर विरोध किया। लड़की के मना करने पर आरोपी विवाद पर आमदा हो गया। कुछ देर बाद संतोषी उसका पति संतोष कुमार, पुत्र मोहित व बेटी मोहिनी पहुंचकर मारपीट करने लगे। मोहित ने लड़की को डंडे से पीट दिया। इससे वह घायल हो गई। बीच बचाव करने पहुंचे उसकी मां की भी पिटाई लगा दी। इससे दोनों घायल हो गए। घटना को लेकर कई लोग पहुंच गए। तभी आरोपी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। अरविंद ने कहा इस बार छोड़ दिया। अगली बार तेरी लड़कियों की गर्दन फाड़ दूंगा। मामले में पुलिस ने पांचों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पहले घरवालों को बेहोश किया, फिर झाड़-फूंक के बहाने दलित युवती के साथ किया रेप, देवबंद में तांत्रिक की दरिंदगी

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में दलित युवती के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक दूसरे समुदाय के युवक ने झाड़-फूंक के बहाने दलित युवती के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया है कि झाड़ फूंक के दौरान आरोपी ने पूरे परिवार के सदस्यों को बेहोश कर दिया और फिर उसके 20 साल की बेटी से रेप की वारदात को अंजाम दिया। मामले पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले के जांच में जुट गई है। इसके अलावा युवती का मेडिकल परिक्षण भी करवाया जा रहा है।

घटना सहारनपुर के देवबंद थाना इलाके के एक गांव की है। यहां एक दलित ग्रामीण ने एक दूसरे समुदाय के अल्फ़ाज़ नाम युवक पर अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। दलित ग्रामीण के द्वारा दी गई तहरीर के मुताबिक उसकी पत्नी की काफी दिनों से बीमार चल रही थी। इसको लेकर उसे लग रहा था कि उसके ऊपर भूत प्रेत का साया है।

झाड़-फूंक के बहाने तांत्रिक ने किया रेप

पीड़िता के पिता ने बताया कि देवबंद के ही रहने वाले अल्फ़ाज़ नाम के शख्स से उसकी पत्नी का कई महीनों से इलाज चल रहा था। अल्फ़ाज़ एक तांत्रिक था उसने परिवार के लोगों को भरोसा दिया की वो उसकी पत्नी को पूरी तरह से ठीक कर देगा। इसके साथ ही अल्फ़ाज़ अक्सर उनके घर आया जाया करता था। रविवार को अल्फ़ाज़ पीड़िता उसके घर इलाज करने के लिए पहुंचा था। अल्फ़ाज़ ने उसकी पत्नी का इलाज करने के लिए घर के सभी लोगों को दूसरे कमरे में बंद कर दिया और उसने उसकी बीस साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया। आरोप है कि अल्फ़ाज़ ने परिवार के लोगों को बेहोश करके युवती के साथ दुष्कर्म किया।

जांच में जुटी पुलिस

युवती के परिजनों ने पहले जो तहरीर दी थी उसमें लिखा गया था कि अल्फ़ाज़ ने तांत्रिक क्रिया के चलते पहले सभी को बेहोश किया। इसके बाद युवती के साथ रेप किया। पुलिस ने युवती के पिता की तहरीर के बाद आरोपी अल्फ़ाज़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। युवती का मेडिकल परिक्षण भी पुलिस के द्वारा करवाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है की मामले की जांच की जा रही है। इस घटना में आवश्यक करवाई पुलिस की तरफ से की जा रही है।

समृद्धि डीजीटल ई लाइब्रेरी का अपर आयुक्त ने किया उद्घाटन

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। पड़री बाजार में समृद्धि स्टडी प्वाइंट डिजिटल ई-लाइब्रेरी का अपर आयुक्त विश्राम यादव ने मंगलवार को फीता काटकर लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपर आयुक्त प्रशासन विश्राम ने कहा कि यह वातानुकूलित लाइब्रेरी ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के लिए एक बेहतर सुविधा साबित होगी। इसमें एक साथ 42 छात्र बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे। आसपास के गांवों के विद्यार्थी भी यहां आकर अध्ययन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि पहले यह सुविधा बड़े शहरों तक सीमित थीं मगर इस तरह की लाइब्रेरी पड़री जैसे गांव में इस तरह का एक अनुठा प्रयास किया गया है जों काबिले-तारीफ है।कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी पहाड़ी फराह रईस, थाना प्रभारी अजीत सिंह और श्री ज्ञानानंद इंटर कॉलेज के प्रबंधक अजय ओझा मौजूद रहे। इसके अलावा प्रमोद पाठक,जिला पंचायत सदस्य साजन कुमार भारती, रामदेव सरोज, ब्यास जी, चंदन दुबे, बृजलाल तिवारी, अवधेश दुबे,के के दुबे, बिन्नी दुबे,कमलेश दुबे, सचिन पटेल और भीम सिंह, जान्हवी तिवारी, समृद्धि डिजिटल ई-लाइब्रेरी की मैनेजिंग डायरेक्टर श्रद्धा सिंह,अभय तिवारी, सतेन्द्र विश्वकर्मा, दयाशंकर वर्मा, संदीप दुबे, अमित ओझा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हमारा विद्यालय - हमारा स्वाभिमान के तहत शिक्षकों लिया पंच संकल्प

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ मीरजापुर की ओर से सोमवार को जनपद के शत प्रतिशत विद्यालयों में ₹हमारा विद्यालय - हमारा स्वाभिमान₹ पंच संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें लाखों विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक, अधिकारी व जनप्रतिनिधिगण विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में पंच संकल्प लेकर ₹हमारा विद्यालय - हमारा स्वाभिमान₹ का उद्घोष कर इस संकल्प का आत्मसात किया।जिलाध्यक्ष राजनाथ तिवारी ने प्राथमिक विद्यालय मोहनपुर भवरख विकास खंड पहाड़ी विद्यालय में संकल्प लेते हुए कहा कि देश के सबसे बड़े शिक्षक संगठन अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आहवाहन पर परिषदीय प्राथमिक जूनियर हाईस्कूल माध्यमिक विद्यालयों सहित नगर के अधिकांश प्राइवेट विद्यालयो मे प्रार्थना सभाओं में उत्साहपूर्वक पंच संकल्प लिया गया। यह आयोजन शैक्षिक जगत में एक इतिहास रचने का कार्य करेगा। जिला महामंत्री सत्यव्रत सिंह चंदेल ने अपने विद्यालय जमालपुर के कंपोजिट विद्यालय हडौरा पर संकल्प लेते हुए कहा कि विद्यालय केवल भवन नहीं है, बल्कि संस्कारों का तीर्थ है। विद्यालय को भारत में हमेशा विद्या का मंदिर माना गया है। यह कार्यक्रम प्राचीन भारतीय परंपरा में शिक्षा के उद्देश्य का संवाहक एवं संवर्धक बनेगा, जिससे चरित्र निर्माण, व्यक्ति निर्माण एवं राष्ट्र के पुनर्निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा एवं विद्यार्थी व शिक्षक मिलजुल कर शैक्षिक उन्नयन एवं राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए कार्य करेंगे। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष वीरभानु सिंह ने फतहा कंपोजिट विद्यालय में शपथ लेते हुए कहा कि ₹हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ है, हमारी आत्मा का अभिमान है और राष्ट्र निर्माण का आधार है।₹ जिला कोषाध्यक्ष मनोज शुक्ल ने संकल्प लेते हुए कहा कि विद्यालय वह प्रयोगशाला है, जहां भविष्य के नागरिक गढ़े जाते हैं। संयुक्त महामंत्री राजदेव सिंह, उपाध्यक्ष अनिल प्रकाश द्विवेदी, उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, महिला उपाध्यक्ष गीता सिंह, मंत्री शुभ्राशु उपाध्याय, संयुक्त मंत्री रजनीश दूबे, मुकेश सिंह, प्रचार मंत्री मनोज त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी विमलेश अग्रहरी, सह मिडिया प्रभारी त्रिलोकी सिंह सहित ब्लाक अध्यक्ष गण क्रमशः नगर अध्यक्ष सत्य प्रकाश दूबे, नगर ब्लाक अध्यक्ष नगर राघवेन्द्र कुवर शुक्ल, सीखड सुरजीत सिंह, राजगढ अशोक कुमार सिंह और कोन के सर्वेश त्रिपाठी आदि ने अपने अपने ब्लाक मे पूरा प्रयास कर शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न कराया और गुगल फार्म पर अपलोड भी कराया।

46 दिन में आरोप तय, 27 दिन में फैसला, 5 साल की बच्ची से रेप केस में दरिंदे को उम्रकैद

आर्यावर्त संवाददाता

जालौन। अपराध करने के बाद आरोपी जेल तो पहुंच जाता है, लेकिन अक्सर अदालतों में सालों तक मुकदमा चलता रहता है। मगर उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में पॉक्सो कोर्ट ने एक मिसाल पेश की है। सिर्फ 27 दिन में ट्रायल पूरा कर अदालत ने 5 साल की मासूम बच्ची से रेप करने वाले दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही 2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। विशेष न्यायाधीश मोहम्मद कमर ने अपने आदेश में पीड़िता को नन्हीं परी कहकर संबोधित किया और कहा कि जुर्माने की आधी राशि उसे दी जाएगी।

15 जुलाई 2025 की रात कैलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में यह शर्मनाक वारदात हुई। गांव का रहने वाला अनिल (32) पड़ोसी की बच्ची को मोबाइल दिखाने के बहाने अपने घर ले गया और वहां उसके साथ दरिंदगी की। देर रात जब बच्ची को तेज पेट दर्द हुआ तो उसने मां को रो-रोकर सब कुछ बता दिया। मासूम ने कहा—पड़ोसी अंकल मुझे मोबाइल दिखाने ले गए थे, आज उन्होंने मेरे साथ गंदा काम किया। बेटी की यह बात सुनकर मां का कलेजा फट गया और वह तुरंत थाने पहुंची।

4 अगस्त से ट्रायल शुरू

शिकायत के आधार पर 15-16 जुलाई की दरम्यानी रात 1:17 बजे एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने तुरंत छापेमारी कर आरोपी अनिल को गिरफ्तार कर लिया। जिला शासकीय अधिवक्ता लखन लाल निरंजन ने बताया कि पुलिस ने तेज़ी दिखाते हुए महज एक हफ्ते में चार्जशीट तैयार कर कोर्ट में दाखिल कर दी। 31 जुलाई को आरोपपत्र प्रस्तुत हुआ और 4 अगस्त से ट्रायल शुरू कर दिया गया।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बच्ची का बयान दर्ज किया। डॉक्टर की मेडिकल रिपोर्ट, जांच अधिकारी की गवाही और एफआईआर दर्ज करने वाले पुलिसकर्मी के बयान भी पेश किए गए। पूरे 27 दिन चले इस ट्रायल के दौरान आरोपी की आठ बार पेशी हुई। गवाहों और सबूतों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराया।

सजा सुनाते हुए कोर्ट ने क्या कहा?

1 सितंबर को विशेष पॉक्सो कोर्ट ने अनिल को उम्रकैद और 2 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत ने साफ कहा कि ऐसे मामलों में त्वरित और कठोर सजा देना जरूरी है। आरोपी गिरफ्तारी के बाद से ही उरई जिला कारागार में बंद था और उसे जमानत तक नहीं दी गई।

क्या बोले एसपी?

एसपी डॉ। दुर्गेश कुमार ने कहा कि महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों को लेकर सरकार बेहद गंभीर है। बीएनएस लागू होने के बाद ऐसे मामलों में तेजी से फैसले आ रहे हैं। उन्होंने बताय कि एफआईआर दर्ज होने के 46 दिन के भीतर और आरोप तय होने के 27 दिन में यह फैसला आना हमारी टीम और अभियोजन पक्ष की बड़ी उपलब्धि है। बच्ची और उसके परिवार से जो वादा किया गया था, वह आज पूरा हुआ।

जाम ले गया जान... कानपुर के ट्रैफिक में ऐसे फंसी गाड़ी, 30 मिनट तक दर्द से तड़पते रहे दो मरीज, अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में ट्रैफिक जाम में पुलिस की गाड़ी फंसी रही। एक ऑटोरिक्शा भी इसी तरह जाम में फंसा था। दोनों में दो मरीज थे, जिन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था। मगर सड़क जाम होने से दोनों वाहन आगे नहीं बढ़ पाए। अस्पताल पहुंचने से पहले ही फिर दोनों की मौत हो गई।

सोमवार दोपहर करीब 2 बजे शुक्लागंज निवासी मुन्ना को सीने में दर्द की शिकायत हुई। परिजन ऑटो बुक कर उन्हें कॉर्डियोलॉजी अस्पताल में भर्ती कराने के लिए घर से निकले। ऑटो एलएलआर मेट्रो स्टेशन पहुंची तो जाम में फंस गई। इधर मुन्ना ऑटो में दर्द से बेहाल थे। परिजन उनके सीने में हाथ फेरकर उन्हें दिलासा देते रहे।

डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

जाम न खुलने पर परिवार का एक युवक ट्रैफिक खुलवाने लगा। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे यहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ऑटो को एक किमी की दूरी तय करने में 30 मिनट लग गए। जबकि, सामान्य तौर पर यह दूरी तय करने में 10-15 मिनट का समय लगता है।

पुलिस वाहन में घायल की मौत

वहीं, सचेंडी थानाक्षेत्र की पीआरवी 1570 में तैनात कांस्टेबल मुकेश यादव व अजीत कुमार ने बताया कि दीपू चौहान ढाबे के पास सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को एक वाहन ने टक्कर मार दी थी। इससे वो गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने डॉयल-122 पर सूचना दी। जिसके बाद पीआरवी में तैनात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पीआरवी बुजुर्ग को लेकर हैलट जा रही थी। इसी बीच पुलिस की गाड़ी एलएलआर मेट्रो स्टेशन के पास लगे जाम में फंस गई। समय से उपचार न होने के कारण बुजुर्ग की मौत हो गई।

बारिश के बीच काम करने वालें बिजली कर्मचारियों के जज्बे को सलाम

आर्यावर्त संवाददाता

पूरनपुर, पीलीभीत। बारिश का मौसम जहाँ आम आदमी को घरों में दुबकने को मजबूर कर देता है, वहीं बिजली विभाग के कर्मचारी इन हालातों में भी अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटते। तेज बारिश, गीली मिट्टी और लगातार गिरते पेड़ों के बीच जब-जब बिजली व्यवस्था बाधित होती है, ये कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुँचकर घंटों मेहनत करके सप्लाई बहाल करते हैं।पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बरसात ने गाँव और शहर दोनों जगह विद्युत व्यवस्था को बार-बार प्रभावित किया, लेकिन बिजली कर्मचारियों ने दिन-रात मेहनत कर रोशनी का सिलसिला बनाए रखा। कई बार उन्हें कमर तक पानी में उतरकर तारों और खंभों की मरम्मत करनी पड़ती है। जोखिम भरे इस काम में उनकी हिम्मत और समर्पण देखने लायक होता है।तेज बारिश और हवा के चलते क्षेत्र में बिजली सप्लाई बाधित हो रही है। जगह जगह बिजली हॉट हो जाने से विद्युत सप्लाई नहीं हो पा रही। तेज रफ्तार से चली हवा और बारिश के चलते रोड किनारे बिजली तार पेड़ों से टकराते रहे चिंगारी निकलते समय बिजली फाल्ट होते रहे। कहीं कहीं पेड़ भी गिरने से विद्युत लाइन टूटकर ध्वस्त हो गई। लेकिन आम जनमानस को असुविधा ना हो बिजली कर्मचारी बारिश और हवा में अपनी परवाह किए बिना फाल्ट को सही करने में लगे रहे।लगातार झमाझम बारिश और खराब मौसम के बावजूद विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने अपनी जिम्मेदारी और सेवा भाव का अद्भुत परिचय दिया है। डिवीजन पूरनपुर के पावर हाउस हरीपुर में अवर अभियंता आर्यन पांडे के नेतृत्व में टीम ने दिन-रात अथक परिश्रम कर उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराई।भारी बारिश, तेज हवाओं और जंगली जानवरों के खतरे के बीच कर्मचारी लगातार पेट्रोलिंग करते रहे और लाइन व उपकरणों की निगरानी कर आपूर्ति बनाए रखी। अवर अभियंता ने बताया कि "हमारी प्राथमिकता यही है कि शासन द्वारा निर्धारित समय पर उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचे। चाहे रात हो या खराब मौसम, हमारी टीम हमेशा अलर्ट रहती है।"वहीलोग अक्सर बिजली कटने पर असंतोष जताते हैं, लेकिन इसके पीछे कर्मचारियों की अथक मेहनत और समर्पण को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि सच यही है कि उनकी निष्ठा और कठिन परिस्थितियों में कार्य करना ही हमारे जीवन को सुगम बनाता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात में जब चारों ओर अंधेरा छा जाता है और बिजली गुल हो जाती है, तब ये कर्मचारी किसी 'मसीहा' से कम नहीं लगते।

किशोरावस्था में बच्चे माता-पिता से दूर हो जाते हैं, इस असंतुलन में तालमेल कैसे बिठाया जाए

आजकल किशोर घर के बाहर क्या करते हैं, किससे मिलते हैं और उनकी ज़िंदगी में क्या चल रहा है, ये सब माता-पिता से साझा ही नहीं करते। यदि उनकी उदासी या हाव-भाव देखकर अभिभावक यह जान भी लें कि बच्चे किसी बात से परेशान हैं तो भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलती। वो अपने कमरे में जाकर दरवाज़ा बंद कर लेते हैं या कह देते हैं कि आप नहीं समझ पाओगे। इस समय अभिभावकों के लिए यह सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। बच्चे उन पर विश्वास नहीं करते हैं और उन्हें लगता है कि माता-पिता उनको समझ नहीं पाएंगे।

क्या करने से दूरियां ख़त्म होंगी?

बच्चे की बात ध्यान से सुनें

किशोरों को लगता है कि आप उन्हें समझते नहीं हैं इसलिए उनकी समस्या भी नहीं समझेंगे। जब बच्चे आपके पास कोई समस्या लेकर आते हैं, तो उन्हें सिर्फ़ सुनें। उनकी बात काटकर अपनी सलाह न दें। पूरी बात सुनें और फिर उनसे पूछें कि 'क्या तुम मुझसे इस पर सलाह चाहते हो?' उनके जवाब के अनुसार बात को आगे बढ़ाएं। अगर वे भोजन के समय सामान्य बात भी करते हैं तो दिलचस्पी लेकर सुनें। लेकिन हमेशा बात करने के लिए दबाव न डालें।

व्यवहार में बदलाव लाएं

बच्चों को आपसे बातें छुपाना पसंद नहीं है, यह तो सीखा हुआ व्यवहार है। यदि उन्होंने अतीत में आपसे खुलकर बात की है और उन्हें इसके परिणाम भुगतने पड़े हैं, तो उन्होंने उस अनुभव के आधार पर ही आपसे कुछ नहीं बोलना सीख लिया है। फिर आप उन्हें आंखें बंद करके विश्वास कर लेने को नहीं कह सकते, विश्वास आपको फिर से बनाना होगा। इसके लिए बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर डांटना बंद करें। अगर आपको उनकी ग़लती नज़र आती है तो प्यार से बात करें और समझाएं। ऐसा माहौल बनाएं कि बच्चे ख़ुद खुलकर अपनी बात रख सकें।

आज़ादी भी ज़रूरी है

कुछ माता-पिता बच्चों को अकेला नहीं छोड़ते। इतना लाड़-प्यार करते हैं कि बच्चे चिड़चिड़ाकर उनसे दूर भागने लगते हैं। उनके कामों में दख़ल देते हैं, दोस्तों के साथ समय बिताने नहीं देते और हमेशा आंखों के सामने रखना चाहते हैं। इससे बच्चे और दूर होते जाएंगे। इन सबसे उन्हें थोड़ी आज़ादी दें। दोस्तों के साथ समय बिताने दें, घर में भी थोड़ा स्पेस दें। इतनी आज़ादी मिलने के बाद बच्चे ख़ुद आपके कहे का पालन करेंगे।

वादा निभा सकें तो ही करें

जब किशोर अभिभावक से किसी वस्तु की मांग करते हैं या कोई इच्छा जताते हैं तो माता-पिता उस पल के लिए हां कह देते हैं। परंतु समय आने पर अपने वादे से मुकर जाते हैं। ऐसा दो-तीन बार होने पर उनका विश्वास हटने लगता है और इसलिए उनके व्यवहार में भी बदलाव आने लग जाता है। बच्चे से तभी वादा करें जब उसे पूरा करना चाहते हैं या कर सकते हैं।

आप जितना अपने वादे पर क़ायम रहेंगे, बच्चे का विश्वास आप पर उतना ही बढ़ेगा।

थोड़ा उनकी तरह बनें

किशोरों का विश्वास जीतने के लिए उनको समझना ज़रूरी है। उनकी ज़रूरतों को समझें। यह उम्र जोखिम उठाने, प्रयोग करने और नियमों को तोड़ने के लिए उकसाती है। यह उम्र के कारण है, बच्चे का स्वभाव नहीं है, इस बात को समझें। बच्चे के क्रियाकलापों को उसके व्यक्तित्व के दोष या इल्ज़ाम की तरह इस्तेमाल न करें। उनकी पसंद में दिलचस्पी दिखाएं, जैसे वीडियो गेम, घूमना, फोटोग्राफी, उनकी पसंद की फिल्म या खाना आदि। उन्हें पास्ता पसंद है तो घर में बनाएं या उनके दोस्तों को भी घर पर बुला सकते हैं। उनके जीवन के जो पहलू आप संवारना या बदलना चाहते हैं, उनका स्वस्थ पक्ष सामने रखें, और हो सके तो उनके दोस्तों को भी शामिल करें। याद रखें कि आपको कहां अभिभावक बनकर केवल देखना है, ध्यान रखना है, मदद करनी है और कहां दोस्त बनकर उनकी गतिविधियों में शामिल होकर उनका मार्गदर्शन करना है। दूरियां दूर हो जाएंगी।

आप किस तरह खोते हैं विश्वास

पहले माता-पिता जानें कि उनकी तरफ से ऐसा क्या होता है, जिस पर बच्चों को सख़्त आपत्ति होती है -

बच्चों की व्यक्तिगत या संवेदनशील बातें दूसरों के साथ साझा कर देना।

जब बच्चा भरोसा कर मां से अपनी निजी बातें साझा करता है और मां उसके पिता को बता देती है।

बच्चों का सामान देखकर, उनके मोबाइल फोन के मैसेज या निजी डायरी पढ़कर दख़ल देना।

उन पर भरोसा नहीं करना, हर छोटी बात पर उन पर शक करना।

अगर उनका कोई राज़ जानते हैं तो उसका इस्तेमाल काम निकालने या कोई बात मनवाने में करना।

उनकी भावनाओं को अमान्य या छोटा करना, या उन्हें यह कहना कि वे अत्यधिक प्रतिक्रिया दे रहे हैं यानी वो ओवररियेक्ट कर रहे हैं या बेकार में ही अति संवेदनशील हैं।

जब बच्चे अपनी समस्या साझा करें तो उन परिस्थितियों के लिए उन्हें ही दोष देना, उनकी आलोचना करना या उन्हें ही सज़ा देना।

जब बच्चे कोई समस्या लेकर आएं तो व्यस्त या भावनात्मक रूप से अनुपलब्ध रहना।

आंखों को मलने से पड़ सकते हैं डार्क सर्कल

आंखों को रगड़ने से भले सुकून मिलता है, लेकिन यह जितना हल्का महसूस कराता है उतना ही नुक़सानदेह भी है। जानिए अनजाने में हम अपनी आंखों को कितना नुक़सान पहुंचा रहे हैं।

अक्सर हम सभी अपनी आंखों को रगड़ते रहते हैं। हल्की-सी खुजलाहट या नींद महसूस हुई तो आंखों को रगड़ लिया। किसी संक्रमण से दिक़्क़त होने पर या उलझन होने पर भी आंखों को हम मसल लेते हैं। अगर सर्दी-ज़ुकाम या थकावट है तो आंखों को रगड़ने में और आनंद महसूस होता है। कई लोगों के लिए आंखों को रगड़ना आदत बन जाती है। आंखें नाज़ुक और संवेदनशील होती हैं, इसलिए अगर उन्हें बहुत ज़ोर से या ज़्यादा मसला या रगड़ा तो आप उन्हें चोटिल कर सकते हैं।

आंखों को रगड़ने से होंगे ये नुक़सान

विशेषज्ञ कहते हैं कि दिन में एक या दो बार आंखों को मलना या रगड़ना सामान्य बात होती है। लोग ऐसा तब करते हैं जब वे जागते हैं या थकान महसूस करते हैं। लेकिन आंखों को बार-बार रगड़ने से पलकों और आंखों के कोनों में कोलेजन बॉन्ड ढीले हो सकते हैं। आईबैग झूल सकते हैं। आंखों के चारों ओर महीन रेखाएं और झुर्रियां हो सकती हैं।

आंखों को रगड़ने से कॉर्निया पर खरोंचें आ सकती हैं। ये खरोंचे इतनी बारीक और छोटी होती हैं कि आपको पता भी नहीं चलेगा। ये खरोंचें समय के साथ कॉर्निया को नुक़सान पहुंचा सकती हैं। इसके अलावा आंखों को रगड़ने से कॉर्निया पतला भी हो सकता है।

आंखों को रगड़ने के कारण होने वाली क्षति के साथ-साथ हाथों से आंखों में छोटे-छोटे कण भी जा सकते हैं। इससे आंखों में जलन हो सकती है जो काफ़ी गंभीर भी हो सकती है। हमारे हाथ दिनभर कहीं न कहीं छूते रहते हैं। ऐसे में गर इन हाथों को धोए बिना आंखों पर लगाएंगे तो संक्रमण होने की आशंका बढ़ जाती है। जब बच्चे अपनी आंखें रगड़ते हैं तो उनकी आंखों में कॉर्निया के उभरने का जोखिम रहता है। इससे नज़रें कमज़ोर हो सकती हैं, कॉर्निया पर निशान पड़ सकते हैं और स्थिति गंभीर हुई तो कॉर्निया ट्रांसप्लांटेशन की ज़रूरत पड़ सकती है।

आंखों में पतली रक्त वाहिकाएं होती हैं जो बहुत नाज़ुक और मुलायम होती हैं। इन धमनियों का काम रक्त संचार को बनाए रखना होता है। जब हम आंखों को ज़ोर-ज़ोर से रगड़ते हैं तो इन नाज़ुक धमनियों को नुक़सान पहुंच सकता है या टूट सकती हैं, जिसके चलते आंखों से ख़ून निकलने की स्थिति बन सकती है। धमनियों के टूटने को सबकंजक्टिवा हैमरेज कहते हैं।

आंखों को बार-बार और देर तक रगड़ने से डार्क सर्कल भी हो सकते हैं। दरअसल, आंखों के आसपास की त्वचा पतली होती है। अगर ज़ोर से रगड़ेंगे तो नुक़सान तो पहुंचेगा ही। इसलिए आंखों को रगड़ने से इनके चारों तरफ़ की त्वचा काली पड़ जाती है।

ऐसे बचाएं आंखों को

आंखों में रोज़ ड्रॉप डालें। इससे आंखों का कचरा निकल जाएगा। आंखों में सूखापन और तनाव के कारण भी आंखों में खुजली होती है। पर आई ड्रॉप चिकित्सक की सलाह से ही लें।

अगर आंखों में किरकिरापन महसूस हो रहा है तो हाथों का उपयोग करने के बजाय पानी से इन्हें धोएं। परंतु पहले हाथों को अच्छी तरह से धोएं, फिर आंखों में पानी डालें।

टीवी या कंप्यूटर स्क्रीन पर अधिक समय बिताने के कारण भी आंखों में सूखापन आ सकता है या उलझन हो सकती है। ऐसे में आंखों को मसलने से भले आराम मिलेगा लेकिन ऐसा करने से ख़ुद को रोकें।

किसी कपड़े और टिशू पेपर से भी आंखों को साफ़ न करें। ख़ासतौर गीला चेहरा पोंछते वक़्त आंखों का ख़याल रखें।

अगर कॉन्टैक्ट लेंस का इस्तेमाल करते हैं तो हाथों को आंखों पर बिल्कुल न लगाएं। आंखें मलने पर कॉन्टैक्ट लेंस इनको क्षति पहुंचा सकते हैं।

आहार विशेषज्ञ ने बताया 'वेट लॉस का रामबाण तरीका', कुछ ही महीनों में दिखने लगेगा लाभ

वजन कम करना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सबसे आवश्यक है। जैसे-जैसे आपका वजन बढ़ता जाता है आप कई तरह की बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। हाइपरटेंशन से लेकर डायबिटीज और कुछ प्रकार के कैंसर तक के लिए शरीर के अधिक वजन को प्रमुख कारण माना जाता रहा है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं सभी लोगों को वेट लॉस के तरीके अपनाने की जरूरत है। पर क्या यह इतना आसान है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, वजन कम करने के लिए हम सभी कई प्रकार के उपाय करते रहते हैं, आहार छोड़ने से लेकर जिम में घंटों समय बिताने तक, फिर भी ज्यादातर लोगों को बहुत लाभ नहीं मिल पाता है। इसलिए जरूरी है कि हम सही तरीकों पर ध्यान दें, जो न सिर्फ वजन को बढ़ने से रोकें साथ ही शरीर को अन्य प्रकार से भी लाभ दें। आइए आहार विशेषज्ञ से जानते हैं कि वेट लॉस के लिए क्या तरीके अपनाए जा सकते हैं?

क्या कहती हैं आहार विशेषज्ञ?

न्यूट्रिशनिस्ट प्रियंका सेठ बताती हैं, वेट लॉस करने के लिए भले ही तमाम प्रकार की कोशिशें कर लें पर अगर आप सही लक्ष्य के साथ इसपर काम नहीं कर रहे हैं तो लाभ नहीं मिलता है।

वजन घटाने के तरीकों के बारे में जानने से पहले यह समझना आवश्यक है कि हमारा वजन बढ़ता क्यों है? इसका सबसे प्रमुख कारण मेटाबॉलिज्म की समस्या है। यदि आप बहुत ज्यादा खाते हैं, भोजन में जंक-फास्ट फूड्स अधिक हैं या पर्याप्त व्यायाम नहीं करते हैं तो इससे वजन बढ़ सकता है। कुछ प्रकार की बीमारियां और दवाओं के कारण भी वजन बढ़ने लग जाता है, इसलिए इसके कारणों के बारे में जानना बहुत आवश्यक है।

वेट लॉस कैसे करें?

न्यूट्रिशनिस्ट प्रियंका बताती हैं, वेट लॉस का मूल मंत्र है- आप दिनभर में जितनी कैलोरी बर्न कर पाते हैं, कोशिश करें कि आहार में कैलोरी की मात्रा उसकी तुलना में कम ही रहे। ऐसी चीजों को आहार में शामिल करें जिनमें कैलोरी कम होती है, पाचन अच्छी तरीके से हो जाता है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कर सकते हैं।

यदि आप बर्न करने से अधिक कैलोरी का सेवन कर रहे हैं, तो यह वजन बढ़ने का कारण बनता है। आपके कैलोरी इंटेक को कम करने के दो तरीके हैं- आप क्या और कितना खाते हैं और नियमित रूप से व्यायाम की आदत बनाना।

आहार से कम करें कैलोरी की मात्रा

वैसे तो कैलोरी इंटेक को कम करने का कोई खास तरीका नहीं है। सामान्य तौर पर कैलोरी इंटेक को कम करने के लिए ज्यादातर लोग कम मात्रा में खाना शुरू कर देते हैं, इससे भी वजन कम हो सकता है, हालांकि सेहत के लिहाज से इसे अच्छा नहीं माना जाता है।

न्यूट्रिशनिस्ट प्रियंका कहते हैं, कैलोरी इंटेक कम को करने के लिए आप चीनी-मीठे पेय पदार्थों का सेवन कम कर देते हैं तो इससे भी लाभ मिल सकता है। डैश (डीएएसएच) और मेडिटेरेनियन डाइट का पालन करके लाभ आप लाभ पा सकते हैं।

व्यायाम से बर्न होती है कैलोरी

अनुसंधानों से पता चलता है कि केवल आहार में परिवर्तन से ही वजन कम नहीं किया जा सकता, कैलोरी बर्न करने के लिए जरूरी है कि आप व्यायाम करें। योग-व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाकर आप वजन घटाने में लाभ पा सकते हैं। कैलोरी इंटेक को कम करना और नियमित व्यायाम की आदत आपको वजन घटाने में एक महीने में भी लाभ देना शुरू कर देता है।

सायबर सुरक्षा : हैकर्स की नजर हमेशा हम पर रहती है इसलिए इंटरनेट पर कुछ भी पोस्ट करने से पहले सोच लें

हम सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हैं। कभी घर में खींची हुई सेल्फी, कभी दोस्तों के साथ कैफे वाली फोटो और कभी घूमने-फिरने की तस्वीरें। परंतु कहते हैं न कि सोशल मीडिया पर तस्वीर हमेशा सोच-समझकर डालनी चाहिए। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि इन तस्वीरों का ग़लत इस्तेमाल हो सकता है, बल्कि इसलिए कि इनमें मौजूद छोटी-छोटी जानकारियां आपका बड़ा नुक़सान कर सकती हैं। इन जानकारियों की बदौलत हैकर्स आप पर और आपके खाते पर नज़र रख सकते हैं। यहां हम उन्हीं जानकारियों की बात करेंगे जिसका अंदाज़ा आपने पहले कभी नहीं लगाया होगा।

आपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें आपकी दोस्त या साथी आपका पूरा नाम ले रही है। सोशल मीडिया पर कई लोग रोचक नाम चुनकर यूज़र आईडी बनाते हैं इसलिए असली नाम का अंदाज़ा लगाना मुश्किल होता है। परंतु साथी ने जब आपको पुकारा तो आपने हैकर को अपने सही नाम की पुष्टि कर दी।

हैकर आपकी प्रोफाइल पर जाएगा और सारी तस्वीरें और वीडियो देखेगा। एक तस्वीर आपने अपने ग्रैजुएशन की भी डाली है जिसमें आप अपना सर्टिफिकेट लेकर खड़ी हैं। यहां से हैकर टीसी नंबर निकाल सकता है जिससे आपकी अन्य जानकारी भी मिल जाएगी।

घर के बाहर ली गई सेल्फी घर का पता उजागर कर सकती है।

दोस्तों के साथ फोटो खींचते समय यदि ग़लती से भी आपका एटीएम कार्ड या कोई दस्तावेज़ उसमें आते हैं तो हैकर इसे चुरा सकता है। कार्ड नंबर पता चल सकता है।

जन्मदिन की तस्वीरें जिनमें केक में उम्र की संख्या वाली मोमबत्ती है, हाथ में अंकों के गुब्बारे पकड़े हुए आपकी तस्वीर है, हैकर को आपकी आयु का पता देगी। तस्वीर किस दिन पोस्ट की गई है उससे जन्म तिथि निकाली जा सकती है।

अब आपका नाम, एटीएम कार्ड का नंबर, जन्म तिथि, घर का पता आदि सब हैकर के पास है।

सुरक्षा का ध्यान रखें

अपनी प्रोफाइल पब्लिक न रखते हुए प्राइवेट रखें ताकि कोई अनजान व्यक्ति पोस्ट न देख पाए। क्योंकि अगर यह पब्लिक होगी तो आपके दोस्त के द्वारा तस्वीर को लाइक और कमेंट करने पर ये उससे जुड़े लोगों तक पहुंच जाएगी। इसलिए इसे निजी रखने की कोशिश करें।

केवल उन्हीं की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करें जिन्हें आप जानते हैं, क्योंकि ठग आपको फॉलो करके आप पर नज़र रख सकता है।

अगर आपको तस्वीरें और वीडियो डालने का शौक़ है, बिज़नेस प्रोफाइल या सोशल मीडिया ब्लॉग है तो ऐसी सामग्री डालने से बचें जिससे आपको नुक़सान पहुंच सकता है। निजी ज़िंदगी से जुड़े कोई भी पल साझा करने से बचें।

पहले जांच लें कि

सोशल मीडिया या मैसेंजर पर, कुछ भी पोस्ट करने से पहले उसे अच्छी तरह से जांच लें। आपने अपनी कोई तस्वीर खींची है तो उसके आसपास मौजूद वस्तुओं को एक बार देख लें। कहीं आपके पीछे, बगल या फिर टेबल पर कोई ऐसी वस्तु तो मौजूद नहीं जिसमें ज़रूरी जानकारी नज़र आए, जैसे दस्तावेज़, घर का पता या तस्वीर आदि। यहां तक कि घर के अंदर भी तस्वीर लेने से पहले देख लें कि आसपास अलमारी, तिजोरी या सोने-चांदी की मूर्ति या तस्वीर जैसी क़ीमती वस्तुएं तो इसमें नज़र नहीं आ रहीं, क्योंकि इससे अपराधी को आपकी आर्थिक स्थिति के बारे में पता चल जाएगा और आपके बारे में अधिक से अधिक जानकारी बटोर सकेगा।

सीमित रखें जानकारी

तस्वीर और वीडियो इस तरह पोस्ट करें कि उसमें अधिक जानकारी न हो। उदाहरण के लिए, तस्वीर कहां ली है उस जगह का नाम नहीं लिखें। कई बार लोग लोकेशन डाल देते हैं। कहां जा रहे हैं और कैसे जा रहे हैं, सब कैप्शन में लिखते हैं। ऐसा करके आप ख़ुद को जोखिम में डालते हैं। यह ख़ासतौर पर उन लोगों के लिए ख़तरनाक साबित हो सकता है जो अकेले सफ़र करते हैं। इसलिए इनके अलावा सोशल मीडिया पर लाइव होने से भी बचें।

ट्रंप को खटकेगा भारत पर बढ़ता विश्वास, अमेरिका की जमीन से उठी ये आवाज

मॉर्गन स्टेनली भारत के प्रति काफी आशावादी बना हुआ है। ग्लोबल फर्म का मानना है कि जून 2026 तक सेंसेक्स को 1,00,000 तक पहुंच सकता है। कंपनी ने मजबूत ग्रोथ, कम अस्थिरता और घटती ब्याज दरों का हवाला दिया है। आइए आपको भी बताते है कि आखिर मॉर्गन स्टानले ने भारत को लेकर किस तरह की भविष्यवाणी की है।

जिस उम्मीद के साथ डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। वो सभी उम्मीदें अगले एक साल में धराशाई होती दिखाई दे सकती है। साथ ही भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ और शेयर बाजार पर लोगों का विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है। खास बात तो ये है कि ये विश्वास कहीं और से नहीं बल्कि अमेरिकी धरती से आया है। वास्तव में दुनिया की दिग्गज इंवेस्टमेंट फर्म मॉर्गन स्टेनली ने सोमवार को कहा कि जून 2026 तक सेंसेक्स के 1 लाख के लेवल पर पहुंच सकता है। उन्होंने अपने इस टारगेट में कोई बदलाव नहीं किया है। इस बात के पूरी होने की 30 फीसदी तक संभावना है। साथ ही ये भी कहा कि भारत की इनकम और शेयर बाजार का पीक पर पहुंचना अभी बाकी है, जिसे अभी पूरी दुनिया देखेगी।

ग्रोथ साइकिल को कम आंक रहा बाजार

ब्रोकरेज फर्म ने भारत में अपनी तेजी की धारणा को और मजबूत किया, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने साल 2000 में डाटा जारी होने के बाद से अपनी स्थिति को सबसे कम लेवल पर ला दिया। जिसकी वजह से वैश्विक निराशावाद और मॉर्गन स्टेनली के दृढ़ विश्वास के बीच एक नाटकीय टकराव पैदा हो गया। मॉर्गन स्टेनली के इक्विटी रणनीतिकार रिधम देसाई ने कहा कि शेयर बाजार ग्रोथ साइकिल में संभावित मोड़ को कम करके आंक रहा है। इनकम और बाज़ार का शिखर अभी बाकी है। उन्होंने उन मंदड़ियों को चुनौती दी जो मानते हैं कि भारत के सबसे अच्छे दिन अब बीत चुके हैं।

देसाई ने भारत के संरचनात्मक परिवर्तन का एक व्यापक दृष्टिकोण पेश किया और कहा कि ये है रीवैल्यूएशन का एक मजबूत मामला है। आने वाले दशकों में भारत के ग्लोबल प्रोडक्शन में हिस्सेदारी बढ़ने की संभावना है, जो मजबूत आधारभूत कारकों द्वारा संचालित होगी, जिनमें मजबूत जनसंख्या वृद्धि, एक कार्यशील लोकतंत्र, मैक्रो-स्टेबिलिटी-इंफ्लूएंस्ड पॉलिसी, बेहतर इंफ्रस्ट्रक्चर, एक उभरता हुआ उद्यमी वर्ग और बेहतर होते सामाजिक परिणाम शामिल हैं।

100 अरब डॉलर का सेंसेक्स

कंपनी का बेस-केस बीएसई सेंसेक्स टारगेट 89,000 जून 2026 तक 12 फीसदी की ग्रोथ की संभावना दर्शा रहा है। जिससे संकेत मिलता है कि इंडेक्स 23.5x के ट्रेलिंग पी/ई मल्टीपल पर कारोबार करेगा, जो 25 साल के औसत 21x से ऊपर है। मॉर्गन स्टेनली के 100,000 के सेंसेक्स को टारगेट करने वाले बुल-केस सिनेरियो में तेल की कीमतें लगातार 65 अमेरिकी डॉलर से नीचे हैं, जिसकी वजह से व्यापार की शर्तें बेहतर हैं। मजबूत जीएसटी रिफॉर्म ने ग्रोथ अपग्रेड और कम ब्याज दरों के लिए प्लेटफॉर्म तैयार किया है। टैरिफ पॉजिशंस में पूरी तरह से उलटफेर से ग्लोबल ट्रेड वॉर कम हो गया है, जिससे ग्रोथ की संभावनाएं बेहतर हुई हैं। वित्त वर्ष 2025-28 के दौरान इनकम ग्रोथ रेट 19 फीसदी सीजीएआर के रूप में देखने को मिलेगी।

मैन्युफैक्चरिंग की बढ़ेगी जीडीपी में हिस्सेदारी

देसाई ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे अधिक मांग वाला उपभोक्ता बाजार बन जाएगा, ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आएगा, जीडीपी में लोन में वृद्धि होगी और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की जीडीपी में हिस्सेदारी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि जीडीपी में तेल की घटती हिस्सेदारी और निर्यात, विशेष रूप से सेवाओं, के बढ़ते हिस्से के साथ-साथ फिस्कल कंसोलिडेशन से सेविंग इंबैलेंस में कमी का संकेत मिलता है। इससे संरचनात्मक रूप से वास्तविक दरें कम होंगी। देसाई ने कहा कि सप्लाई पक्ष और नीतिगत बदलावों दोनों के परिणामस्वरूप कम महंगाई अस्थिरता का अर्थ है कि आने वाले वर्षों में ब्याज दरों और ग्रोथ रेट में अस्थिरता कम होने की संभावना है।

हर महीने घर बैठे होगी 17,500 रुपए की कमाई, निवेश का ये तरीका 30 साल कराएगा मौज

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्सर हम सोचते हैं कि छोटी रकम से निवेश करने का कोई बड़ा फायदा नहीं होता। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर आप 1 लाख की एकमुश्त राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करें, तो वो कितनी बड़ी रकम में बदल सकती है?

और सबसे बड़ी बात यह है कि यह रकम आपको 30 साल तक हर महीने लगभग 17,500 रुपए की नियमित आमदनी भी दे सकती है। आइए इसका पूरा कैलकुलेशन समझते हैं,

मान लीजिए आपने 1 लाख रुपए एकमुश्त इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश किया जहां आपको 12% सालाना रिटर्न मिलता है। 30 साल बाद आपका यह निवेश लगभग 30 लाख तक पहुंच जाएगा। टैक्स के बाद भी लगभग ₹26.5 लाख आपके पास होंगे। अब आप इस रकम को SWP के जरिए एक हाइब्रिड या डेट फंड में ट्रांसफर कर देते हैं, जहां आपको लगभग 7% का सुरक्षित रिटर्न मिलता है।

इससे आप हर महीने 17,500 रुपए की नियमित इनकम पा सकते हैं और यह इनकम लगातार 30 साल तक चलती रहेगी। कुल मिलाकर आपने 1 लाख रुपए की निवेश से लगभग ₹63 लाख की निकासी कर ली होगी और अंत में आपके पास थोड़ी बचत भी बची रहेगी।

निवेश कब और कैसे करें?

सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि निवेश के लिए सही समय और सही जगह का चुनाव कितना महत्वपूर्ण है। अगर आप आज से ही म्यूचुअल फंड में निवेश शुरू करते हैं, खासकर इक्विटी म्यूचुअल फंड में, तो आपकी छोटी राशि भी लंबे समय में बड़ी रकम बन सकती है। इसका राज है कंपाउंडिंग यानी ब्याज पर ब्याज कमाने का फॉर्मूला, जितना ज्यादा समय आप निवेश को देंगे उतना ज्यादा यह बढ़ेगा।

SIP और Lumpsum निवेश: क्या है फर्क?

म्यूचुअल फंड में निवेश करने के दो तरीके हैं SIP और एकमुश्त निवेश। SIP में आप हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा निवेश करते हैं, जो धीरे-धीरे आपका बड़ा फंड बनाता है। वहीं, एकमुश्त निवेश में आप एक बार में बड़ी रकम लगाते हैं।

एसबीआई का रेलवे के साथ नया बीमा समझौता, लाखों रेलवे कर्मचारियों को मिलेगा फायदा

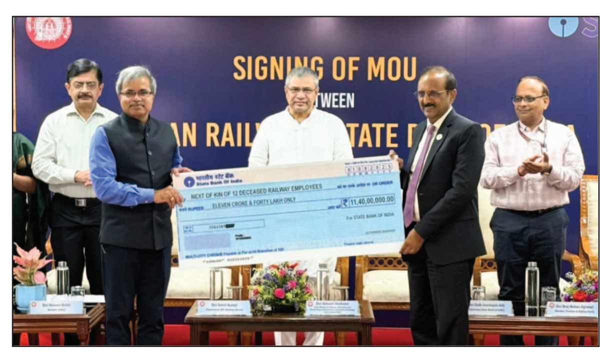

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय रेल के बीच सोमवार को ऐतिहासिक समझौता हुआ। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में नई दिल्ली स्थित रेल भवन में समझौता पत्र (MoU) पर हस्ताक्षर हुआ। इस समझौते से रेल कर्मचारियों को सैलरी पैकेज के तहत अनेक लाभ मिलेंगे। जिसमें सभी रेल कर्मियों को दुर्घटना बीमा का लाभ मिलेगा।

दरअसल इस समझौते पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार और SBI के चेयरमैन सीएस सेट्टी की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह कदम कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

बिना प्रीमियम के मिलेगा लाभ

बता दें कि इस समझौते के तहत स्टेट बैंक में सैलरी अकाउंट रखने वाले रेलवे कर्मचारियों को पहले की तुलना में ज्यादा बीमा कवरेज मिलेगा। इसके अलावा, कर्मचारियों को RuPay डेबिट कार्ड के माध्यम से 1 करोड़ रुपए तक का अतिरिक्त कवर मिलेगा।

1 करोड़ तक का दुर्घटना कवर

हादसे में मौत की स्थिति में कर्मचारियों को 1 करोड़ रुपए तक का बीमा कवर मिलेगा, जो केंद्रीय सरकार कर्मचारी समूह बीमा योजना (CGEGIS) के तहत मौजूदा कवरेज (ग्रुप A के लिए 1.20 लाख, ग्रुप B के लिए 60,000 और ग्रुप C के लिए 30,000 रुपये) से कहीं ज्यादा है। इसके अलावा, प्राकृतिक मौत के लिए 10 लाख रुपए का बीमा कवर भी दिया जाएगा। वह भी बिना किसी प्रीमियम या मेडिकल टेस्ट के मिलेगा।

लाखों कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

जानकारी के मुताबिक वर्तमान में लगभग 7 लाख रेलवे कर्मचारियों का स्टेट बैंक में सैलरी अकाउंट है, जिससे इस समझौते से रेलवे कर्मचारियों का एक बड़ा वर्ग लाभान्वित होगा। इस समझौते में दुर्घटना में स्थायी पूर्ण अक्षमता के लिए 1 करोड़ रुपए और स्थायी आंशिक अक्षमता के लिए 80 लाख रुपए तक का मुफ्त कवर भी शामिल है।

भूकंप के बाद अफगानिस्तान में हालात खराब, अस्पताल में डॉक्टरों की कमी, मदद मांग रहा तालिबान

जलालाबाद। अफगानिस्तान के जलालाबाद में रविवार रात आए 6 तीव्रता के भूकंप की वजह से 800 से ज्यादा लोग मारे गए और 2,500 से ज्यादा घायल हुए हैं। यहां के अस्पतालों में डॉक्टर और सुविधा की कमी है। मलबे में दबे लोगों के रेस्क्यू के भी इंतजाम नहीं हो पा रहे हैं। तालिबान प्रशासन ने दुनियाभर से लोगों के इलाज और रेस्क्यू के लिए मदद मांगी है।

कुनार प्रांत पर भूकंप का सबसे ज्यादा असर हुआ है। यहां के निवासी सादिकुल्लाह ने बताया कि एक तेज धमाके की वजह से उनके नींद खुली। उन्होंने 3 बच्चों को बचाया, लेकिन घर की छत उनके ऊपर गिरने गई और परिवार के बाकी सदस्यों तक नहीं पहुंच सके। वह घर के मलबे में 4 घंटे तक फंसा रहे और बाहर नहीं निकल पा रहे थे। उनकी पत्नी और

दो बेटों की मौत हो गई, पिता घायल हैं। आ सकता है। हमें एम्बुलेंस और डॉक्टरों की जरूरत है। हमें घायलों को बचाने और शवों को निकालने के लिए हर संभव मदद चाहिए। वहीं नांगरहार अस्पताल में यामा बारिज ने बताया यहां भर्ती लोग अभी भी सदमे में हैं। अस्पताल में 460 पीड़ितों को इलाज के लिए लाया गया है। अस्पताल में संसाधनों की भारी कमी है।

मदद की पेशकश करने वाले देश और संगठन

ब्रिटेन ने 13.5 लाख डॉलर की सहायता संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) और अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस (IFRC) को दी है। इससे अफगानों को स्वास्थ्य सेवा और इमरजेंसी सप्लाई दी जाएगी।

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह अफगानिस्तान की जरूरतों और अपनी क्षमता के मुताबिक आपदा राहत सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

भारतीय ने काबुल में 1,000 टेंट पहुचांए हैं। साथ ही कुनार में 15 टन खाद्य सामग्री पहुंचा रहा है। मंगलवार से भारत से और राहत सामग्री भेजी जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र का मिशन भूकंप से तबाह हुए क्षेत्रों में लोगों की मदद कर रहा है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि उनका देश हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

स्विट्जरलैंड ने घोषणा की है कि वह काबुल में मानवीय सहायता कार्यालय के माध्यम से सहायता प्रदान करने की तैयारी कर रहा है।

संयुक्त अरब अमीरात ने तत्काल सहायता और बचाव दल भेजे हैं। साथ ही भोजन, चिकित्सा आपूर्ति और टेंट भी भेजे हैं।

पाकिस्तान से निकाले गए परिवार भी भूकंप से प्रभावित

कुछ अफगान परिवार, जिन्हें हाल ही में पाकिस्तान से डिपोर्ट किया गया था, भूकंप से प्रभावित हुए हैं। कुनार के मोहम्मद असलम ने बताया कि उनके 5 परिजन मारे गए। यह इलाका पाकिस्तान सीमा के पास है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पाकिस्तान इस साल बिना दस्तावेज वाले अफगानों को जबरन वापस भेज रहा है। 35 लाख से ज्यादा अफगान पाकिस्तान में रह रहे थे, लेकिन अब सरकार सुरक्षा और संसाधनों का हवाला देकर उन्हें निकाल रही है।

चीन में धुआं उड़ाएंगे किम जोंग! एक दिन में कितनी सिगरेट पीते हैं नॉर्थ कोरिया के तानाशाह?

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के सुप्रीम नेता किम जोंग उन अपने बुलेट प्रूफ ट्रेन से चीन पहुंचे हैं। ट्रेन के भीतर से जो तस्वीरें सामने आई है, उसमें किम एक टेबल पर बैठे हैं। किम जोंग उन के टेबल पर लैपटॉप और फोन के अलावा एक सिगरेट का डिब्बा है। मतलब किम अपने साथ सिगरेट के इस डिब्बे को लेकर चीन पहुंचे हैं।

41 साल के किम जोंग उन को हैवी चेन स्मॉकर माना जाता है। किम को कई बार सार्वजनिक रूप से भी सिगरेट पीते हुए देखा गया है। रॉयटर्स के मुताबिक किम जिस ट्रेन से बीजिंग पहुंचे हैं। उसमें भी कई मौकों पर उन्होंने सिगरेट पी है। सवाल उठ रहा है कि किम आखिर एक दिन में कितने सिगरेट पीते हैं?

उत्तर कोरिया में एक शख्स कितने सिगरेट पीते हैं?

उत्तर कोरिया के लोग सिगरेट

बनाने और पीने दोनों में आगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साल 2017 में एक रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट में कहा गया कि उत्तर कोरिया के करीब 46 प्रतिशत पुरुष सिगरेट पीते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक औसतन एक शख्स हर दिन 12 सिगरेट पीते हैं। इस रिपोर्ट के बाद किम जोंग उन की सरकार ने सार्वजनिक जगहों पर सिगरेट पीने को लेकर कानून बनाया। इसके तहत सार्वजनिक जगहों पर सिगरेट पीने पर जुर्माना का प्रावधान किया गया।

किम जोंग उन के 4 डिब्बे

सिगरेट पीने का जिक्र

न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक किम जोंग उन रोजाना सिगरेट पीते हैं। कभी कभी वे 4 डिब्बे सिगरेट पी जाते हैं। एक डिब्बे में 20 सिगरेट होता है। किम परिवार के लिए खाना बनाने वाली एक जापानी शेफ ने कुछ साल पहले दावा किया था कि किशोर अवस्था में ही किम ने सिगरेट पीना शुरू कर दिया था। किम के पिता भी हैवी चेन स्मोकर थे। 2011 में हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया। डेली एनके वेबसाइट के मुताबिक किम जोंग उन का पसंदीदा सिगरेट ब्रांड 7.27 है। यह उत्तर कोरिया का सबसे महंगा सिगरेट है। इसके एक पैकेड की कीमत 580 रुपए के करीब है।

साल 2018 में दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसी (NIS) ने एक सीक्रेट रिपोर्ट के हवाले से कहा था कि किम को स्विस और जर्मन सिगरेट गिफ्ट में मिलते हैं। किम उसका भी इस्तेमाल जमकर करते हैं।

दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश में मचा है बवाल

इंडोनेशिया। दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया के कई प्रमुख शहरों में स्टूडेंट्स ने सोमवार को मार्च निकाला। इन्होंने पिछले हफ्ते हुई हिंसा के बाद सरकार की चेतावनी को नजरअंदाज किया। पिछले हफ्ते हुए हिंसा में 8 लोग मारे गए थे। यह इंडोनेशिया में बीते 2 दशक में हुई सबसे बड़ी हिंसा है। जानते हैं ये हिंसा क्यों भड़की और इंडोनेशिया अभी भी क्यों अशांत है।

करीब 10 दिन पहले यह खुलासा हुआ था कि इंडोनेशिया के 580 सांसदों को वेतन के अलावा हर महीने 50 लाख रुपिया (करीब 3,075 डॉलर) मकान भत्ते के रूप में मिल रहे हैं जो राजधानी के न्यूनतम वेतन से 10 गुना ज्यादा है। महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रही जनता के लिए यह आग में घी डालने जैसा साबित हुआ। इसके बाद लोग सड़कों पर उतर गए और प्रदर्शन करने लगे।

राष्ट्रपति को चीन दौरा

कैंसिल करना पड़ा

यह संकट राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के लिए गंभीर चुनौती है, जिन्होंने साल भर पहले ही पदभार संभाला है। 3 दिन पहले सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने दक्षिण तंगेरांग में वित्त मंत्री मुलयानी इंद्रावती समेत कई सांसदों के घरों में लूटपाट की। ऐसी ही घटनाओं की वजह से कारण राष्ट्रपति सुबियांटो को अपनी चीन यात्रा रद्द करनी पड़ी। इससे पहले 29 अगस्त को राजधानी जकार्ता में प्रदर्शन हुए थे। गुस्साई भीड़ और पुलिस के बीच झड़प हुई थी, जिसमें पुलिस की बख्तरबंद गाड़ी एक डिलीवरी राइडर को कुचलती दिखी।

1200 लोग हिरासत में लिए गए

देश भर में 1,200 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है, हिंसक प्रदर्शन में 700 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। प्रदर्शन की वजह से इंडोनेशिया को 28.22 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। भारी सैन्य गश्त के बावजूद छात्रों ने जकार्ता, योग्याकार्ता, बांडुंग और मकास्सर में प्रदर्शन किए। जकार्ता की मुख्य सड़कों से सेना तैनात है। स्टूडेंट्स को ऑनलाइन क्लासेस लेने और कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया है।

अब आगे क्या होगा

यह अशांति इंडोनेशिया की राजनीतिक व्यवस्था के प्रति गहरे असंतोष को उजागर करती है। सरकार पर व्यवस्था बनाए रखते हुए सुधार लागू करने का दबाव बढ़ रहा है। सुरक्षा बलों की सख्ती के बावजूद विरोध प्रदर्शन जारी हैं। राष्ट्रपति सुबियांटो की सांसदों की सुविधाएं घटनी होंगी। शांति के लिए पहल करना अब राष्ट्रपति के हाथ में है।

बिना पानी के धुलेंगे कपड़े, चीनी वैज्ञानिकों ने बना ली नई वॉशिंग मशीन

बीजिंग। पानी का इस्तेमाल किए बिना अब आप आसानी से कपड़ा धो सकते हैं। चीन के वैज्ञानिकों ने इसके लिए एक नई वॉशिंग मशीन बना ली है। फिलहाल इस वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल सिर्फ अंतरिक्ष में किया जा सकता है। दरअसल, अंतरिक्ष में पानी न होने की वजह से यात्री आसानी से कपड़ा नहीं धो पाते हैं, जिसके कारण उनका कपड़ा काफी गंदा रहता है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक अब चीन के वैज्ञानिकों ने नए सिरे से जो वॉशिंग मशीन तैयार किया है। उसमें ओस और ओजोन के शीत का इस्तेमाल करके भी कपड़ा धोया जा सकेगा।

12 किलो वजन की है ये वॉशिंग मशीन

बीजिंग के शोधकर्ताओं ने जो

वॉशिंग मशीन तैयार किया है। उसका वजन 12 किलोग्राम है। इस वॉशिंग मशीन में 800 ग्राम कपड़े को एक बार में धोया जा सकता है। यह वॉशिंग मशीन सूटकेस की तरह है, जिसे हाथ में पकड़कर ले जाया जा सकता है। इस वॉशिंग मशीन में 13 द्रव औंस डालकर कपड़े को आसानी से धोया जा सकता है। डिटर्जेंट की जगह यह मशीन पैराबैगनी किरणें उत्पन्न करती है, जो कपड़े के किटाणुओं को मारने में सहायक है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस मशीन के बन जाने से अब अंतरिक्ष यात्री अपना 60 प्रतिशत कपड़ा कम ले जा सकते हैं। क्योंकि इसमें वे इस्तेमाल करने वाले कपड़े को आसानी से धो सकते हैं।

कपड़े धोने में 30 मिनट का लगता है वक्त

इस मशीन में कपड़े धोने में करीब 30 मिनट का वक्त लगता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक मशीन में कपड़ा डालने के तुरंत बाद प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इस वॉशिंग मशीन के इस्तेमाल के लिए 4 प्रक्रिया अपनाई जाती है। इनमें धुंध, ओजोन स्टरलाइजेशन और सुखाने की प्रक्रिया शामिल हैं। वैज्ञानिकों का कहना है इस वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल वही अंतरिक्ष यात्री कर सकते हैं, जिन्हें 2.5 महीने से ज्यादा समय के लिए मंगल ग्रह या चंद्रमा पर जाना होता है।

मनोज जरांगे ने आम आदमी को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी, अदालत बोली- आजाद मैदान खाली करें

मुंबई, एजेंसी। मराठा आरक्षण आंदोलन नेता मनोज जरांगे ने मुंबई की सड़कों पर कुछ समर्थकों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार और आम लोगों को हुई परेशानी के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट से माफी मांगी है। हालांकि, अदालत ने कहा कि जरांगे और उनके समर्थकों ने कानून का उल्लंघन किया है, इसलिए उन्हें तुरंत आजाद मैदान खाली करना होगा।

अदालत ने जरांगे और समर्थकों को आज दोपहर तीन बजे तक आजाद मैदान खाली करने के लिए कहा है। अदालत ने चेतावनी दी की अगर वह मैदान खाली नहीं करते हैं, तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें कठोर जुर्माना और अवमानना की कार्रवाई भी शामिल है।

जरांगे को आजाद मैदान पर कब्जा करने का कोई अधिकार नहीं

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति आरती साठे जरांगे की पीठ ने कहा कि वह दोपहर 3 बजे तक पूरी तरह सामान्य स्थिति बहाल करना चाहती है, और अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वे भी सड़कों पर उतरेंगे। अदालत ने कहा कि जरांगे और उनके समर्थकों ने कानून का उल्लंघन किया है। इसलिए उन्हें बिना अनुमति के आजाद मैदान पर कब्जा करने का कोई अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा, 'यह एक बहुत ही गंभीर स्थिति है। हम राज्य सरकार से भी संतुष्ट नहीं हैं। ऐसा लगता है कि सरकार की ओर से भी कुछ चूक हुई है।'

जरांगे की ओर से पेश हुए अधिवक्ता सतीश मानेशिंदे

जरांगे की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश मानेशिंदे ने शहर की सड़कों पर उनके कुछ समर्थकों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगी। मानेशिंदे ने कहा कि जरांगे ने पहले दिन से ही यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि किसी भी नागरिक को परेशानी न हो। इसके बाद अदालत ने पूछा कि क्या जरांगे और उनके समर्थकों ने आजाद मैदान खाली कर दिया है। पीठ ने कहा, 'जरांगे और उनके समर्थक उल्लंघनकर्ता हैं और इसलिए उन्हें कोई अधिकार नहीं है। उन्हें तुरंत चले जाना चाहिए, अन्यथा हम कार्रवाई करेंगे। यह पूरी तरह से अवैध है। दोपहर 3 बजे के बाद, हम आजाद मैदान में किसी को भी जाने की अनुमति नहीं देंगे।'

दोपहर तीन बजे मामले में फिर होगी सुनवाई

अदालत ने बताया कि सोमवार को कई प्रदर्शनकारियों ने हाईकोर्ट को घेर लिया था, जिससे न्यायाधीशों के काम में बाधा उत्पन्न हुई थी। पीठ ने कहा, 'ऐसा नहीं हो सकता कि हाईकोर्ट की घेराबंदी की गई हो और न्यायाधीश को पैदल अदालत जाना पड़े।' हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई मंगलवार दोपहर तीन बजे के लिए निर्धारित की।

इससे पहले, बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि मराठा आरक्षण आंदोलन के कारण पूरा मुंबई ठप हो गया है। इसके साथ ही अदालत ने माना कि आंदोलन शांतिपूर्ण नहीं रहा और प्रदर्शनकारियों ने सभी शर्तों का उल्लंघन किया है। अदालत ने आदेश दिया कि मंगलवार दोपहर तक शहर की सभी सड़कें खाली कर दी जाएं।

प्रदर्शनकारियों को सिर्फ आजाद मैदान में धरना देने की अनुमति थी

न्यायमूर्ति रविंद्र घुगे और गौतम अंकल की खंडपीठ ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को सिर्फ आजाद मैदान में धरना देने की अनुमति थी, लेकिन वे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चर्चगेट स्टेशन, मरीन ड्राइव और यहां तक कि हाई कोर्ट के बाहर भी जुट गए।

मुंबई पुलिस ने आजाद मैदान खाली करने का नोटिस जारी किया

दरअसल, मुंबई पुलिस ने मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे को नोटिस जारी कर मुंबई का आजाद मैदान खाली करने को कहा है। पुलिस ने यह नोटिस बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के आलोक में दिया है।

जरांगे ने चौथे दिन जल त्याग करने का किया था एलान

बता दें कि आज जरांगे के आंदोलन का पांचवां दिन है। उन्होंने अनिश्चितकालीन अनशन के चौथे दिन जल त्याग करने का एलान किया, जिसके बाद समर्थकों में काफी आक्रोश भी देखा गया। राज्य के विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सरकार जरांगे के आंदोलन को अनदेखा कर रही है।

पीएम मोदी के आपत्तिजनक कार्टून बनाने, धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप ; कार्टूनिस्ट को मिली अग्रिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री और संघ कार्यकर्ताओं के आपत्तिजनक कार्टून बनाने वाले कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ी राहत देते हुए अग्रिम जमानत दे दी। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजारिया की पीठ ने यह देखते हुए कि कार्टूनिस्ट ने सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से माफी मांगी ली है, अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार कर ली। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को यह छूट दी कि अगर कार्टूनिस्ट जांच में सहयोग नहीं करते हैं, तो वे उनकी जमानत रद्द करने की मांग कर सकते हैं।

याचिकाकर्ता के वकील ने दिया ये तर्क

सुनवाई के दौरान, मालवीय की वकील वृंदा ग्रोवर ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल ने माफी मांग ली है और याचिकाकर्ता को अभी तक जांच के दौरान पूछताछ के लिए तलब नहीं किया गया है। इस पर केंद्र सरकार की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने जवाब दिया कि सभी सबूत इकट्ठा होने के बाद ही तलब किया जाएगा।

मई में इंदौर में हुई थी शिकायत

कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय के खिलाफ वकील और आरएसएस कार्यकर्ता विनय जोशी ने मई में इंदौर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी और मालवीय पर अपने कार्टूनों के जरिए आपत्तिजनक सामग्री अपलोड करने और हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत करने और सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का आरोप लगाया था। 15 जुलाई को, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने मालवीय के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी थी और मंगलवार को अग्रिम जमानत देने का आदेश दिया। इससे पहले मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने हेमंत मालवीय की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

मालवीय ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा 3 जुलाई को दिए गए आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (विभिन्न समुदायों के बीच सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिकूल कार्य), 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य) और 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67-ए (इलेक्ट्रॉनिक रूप में किसी भी यौन रूप से स्पष्ट सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित करना) के तहत मामला दर्ज किया है।

ट्रेंड कर रहा ओह मामा टेटेमा, नोरा फतेही ने फैंस का किया धन्यवाद

बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन और एक्ट्रेस नोरा फतेही एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका नया म्यूजिक वीडियो ओह मामा टेटेमा रिलीज हुआ है, जो कुछ ही दिनों में सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा है। इस गाने में नोरा ने सिर्फ अपने डांस का ही जलवा नहीं दिखाया, बल्कि पहली बार उन्होंने गाने में अपनी आवाज भी दी है। उनके फैंस इस नए अंदाज को खूब पसंद कर रहे हैं। इसी बीच, नोरा ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए वीडियो में नोरा रेड क्रॉप टॉप और डेनिम शॉर्ट्स में नजर आ रही हैं। वीडियो में नोरा समुद्र किनारे सिजलिंग पोज देती दिखती हैं, और उनका ग्लैमर अंदाज साफ नजर आ रहा है। उनके एक्सप्रेशन को देख लोग उनके कायल हो रहे हैं। इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ओह मामा टेटेमा स्पॉटिफाई चार्ट पर आगे बढ़ रहा है। धन्यवाद मेरे प्यारे साथियों... स्ट्रीमिंग करते रहो और अपनी पावर दिखाओ!

इस वीडियो पर फैंस अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कोई उन्हें क्वीन कह रहा है तो कोई डांसिंग दिवा

एक फैन ने कमेंट में लिखा, ओह मामा टेटेमाज मैंने 100 बार सुन लिया है। दूसरे फैन ने लिखा, आपसे नजरें हटती ही नहीं! जादू चल गया आपका।

अन्य फैंस ने उनके लुक की तारीफ की और लिखा, आप रेड आउटफिट में अच्छी लगती हैं।

बता दें कि नोरा फतेही और तंजानियाई सिंगर रेवनी ने मिलकर ओह मामा टेटेमा गाना तैयार किया है। इस गाने में अफ्रीकी बीट्स और देसी म्यूजिक का बेहतरीन मेल है। गाने को बॉस्को लेस्ली मार्टिस ने डायरेक्ट और कोरियोग्राफ किया है। गाने में नोरा के एक्सप्रेशन, डांस स्टेप्स और परफॉर्मेंस ने सबको हैरान कर दिया है। खास बात यह है कि इस गाने को मशहूर सिंगर श्रेया घोषाल और नोरा ने मिलकर गाया है। गाना 10 अगस्त को यूट्यूब पर रिलीज हुआ और कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज बटोर लिए।

जॉली एलएलबी 3 का पहला गाना भाई वकील है जारी, डांस करते दिखे अक्षय कुमार-अरशद वारसी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म जॉली एलएलबी 3 में नजर आएंगे। यह फिल्म इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसका दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अरशद वारसी भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था, जिसे काफी पसंद किया गया। अब निर्माताओं ने जॉली एलएलबी 3 का पहला गाना भाई वकील है जारी कर दिया है।

भाई वकील है गाने को अमन पंत और केडी देसीरॉक ने मिलकर गाया है। इस गाने में अक्षय और अरशद जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं। जॉली एलएलबी 3 में सौरभ शुक्ला, अमृता राव, हुमा कुरैशी और अन्नू कपूर जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। इस फिल्म के निर्देशन की कमान सुभाष कपूर ने संभाली है। इसकी कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। यह फिल्म 19 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अमन पंत के म्यूज़कि, अमन पंत और केडी की आवाज़, और परधान–अखिल तिवारी के लिखे बोल – ये गाना कोर्टरूम में भी डांस फ्लोर का तड़का लगा देता है। फिल्म में ह्यूमा कुरैशी, अमृता राव और गजराज राव भी जुड़ रहे हैं, और इस बार का जॉली एलएलबी 3 वादा कर रहा है सबसे मज़ेदार, सबसे धमाकेदार कोर्टरूम बैटल। स्टार स्टूडियो18 के प्रेज़ेंटेशन और आलोक जैन–अजीत अंधारे के प्रोडक्शन में, सुभहाश कपूर की डायरेक्शन वाली ये फिल्म देगी – कॉमेडी, ड्रामा और तगड़ी सोशल कमेंट्री का पूरा कॉम्बो।

तारा सुतारिया पर छाया उत्सव का खुमार, साड़ी में दिखीं तो वीर पहाड़िया ने पेश किया दिल

छोटे पर्दे से मनोरंजन जगत में कदम रखने वाली स्टार तारा सुतारिया ने शनिवार को कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें से चार में वो अकेली हैं, तो पांचवीं में उनके साथ वीर पहाड़िया नजर आ रहे हैं। ये दोनों के रिश्ते पर मुहर लगाती हैं, जिनकी चर्चा फिजाओं में महीनों से थी।

दरअसल, इन तस्वीरों में चार चांद वो शब्द लगा रहे हैं जो तारा ने लिखे हैं। उन्होंने बेहद सामान्य भाषा में लिखा है- भक्ति, विश्वास और उत्सव...गणपति बप्पा मोरया।

तस्वीरों की पूरी श्रृंखला बेहद आकर्षक है। पहली चार में तो छोटी बिंदी और साड़ी पहने अभिनेत्री दिख रही हैं, लेकिन पांचवीं में उनके साथ खास दोस्त वीर पहाड़िया नजर आ रहे हैं। वो भी ट्रेडिशनल वियर में हैं।

तारा की यह पोस्ट प्रशंसकों को बहुत पसंद आ रही है। वे इसमें कई तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ये लड़की अपनी लुक्स से कभी निराश नहीं करती, तो दूसरे यूजर ने लिखा, सुंदरी, एक और यूजर ने लिखा, कोई भी आपसे ज्यादा सुंदर नहीं है।

वीर भी खुद को कमेंट करने से रोक नहीं पाए और उन्होंने लाल दिल पेश कर दिया। इसके साथ ही इविल आई इमोजी भी पोस्ट किया, जिसका मतलब साफ है कि वो नहीं चाहते कि उनकी जोड़ी को किसी की बुरी नजर लगे। फैंस इस जोड़े की बलाएं लेते दिख रहे हैं। कुछ ने लिखा, पांचवीं तस्वीर में सब कुछ है। तो किसी ने लिखा, तारा और वीर।

अभिनेत्री ने गायिका और टेलीविजन कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। वह साल 2010 में डिज्नी चैनल के शो बिग बडा बूम में नजर आईं थी। स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 (2019) से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा, जिसके लिए फिल्मफेयर ने उन्हें बेस्ट डेब्युटेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। उन्होंने मरजावां, तड़प, हीरोपंती 2, और एक विलेन रिटर्न्स जैसी फिल्मों में अभिनय किया है और अपूर्वा (2023) में टाइटल रोल अदा किया।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com

*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com